प्रसारित - आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद, अलीगढ़, हाथरस, कासगंज, एटा, मैनपुरी, बुलंदशहर, गाजियाबाद, लखनऊ, कानपुर

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

साप्ताहिक

मोर्निंग सिटी

सच के साथ...

वर्ष - 10 अंक 10, 15 जून से 21 जून 2025 मूल्य- 10 रुपये । पृष्ठ 8

फिल्म भूल चूक माफ रिलीज के विवाद का वामिका पर नहीं पड़ा फर्क 3

इंजन फेल, बर्ड हिटिंग या कुछ और...

अहमदाबाद। विशेषज्ञों का मानना है कि अहमदाबाद से लंदन जा रहे एअर इंडिया के विमान के हादसे का शिकार होने का संभावित कारण दोनों इंजनों का फेल होना या उड़ान भरने के तुरंत बाद पक्षी का टकरा जाना हो सकता है। विमान में चालक दल सहित 242 लोग सवार थे। 3 विमानों के तीन वरिष्ठ पायलट ने बताया कि इस दुर्घटना के सार्वजनिक रूप से उपलब्ध वीडियो को देखने से ऐसा लगता है कि इंजन उड़ान भरने के लिए आवश्यक गतिबल (थ्रस्ट) नहीं जुटा पाए, जिसके परिणामस्वरूप उड़ान भरने के कुछ सेकंड बाद ही आवासीय क्षेत्र में भीषण दुर्घटना हो गई। ये तीनों पायलट प्रशिक्षण का कार्य भी करते हैं। अहमदाबाद से लंदन गैटविक के लिए उड़ान भरने वाले बोइंग 787-8 विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के विशिष्ट कारणों का पता विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) द्वारा विस्तृत जांच पूरी होने के बाद ही चलेगा।

रेस्क्यू टीम से मिला एक ब्लैक बॉक्स

हादसे के तीन कारण

- इस केस में ये असंभव माना जा रहा है कि ये हादसा विमान के इंजन फेल होने से हुआ होगा।
- दूसरा बड़ा कारण होता है बर्ड हिटिंग यानी कि अगर कोई चिड़िया या वस्तु विमान से टकरा गई तो प्लेन में आग लग जाती है और वो क्रैश हो जाता है, लेकिन जब ये विमान नीचे गिर रहा है तो इसमें कहीं ऐसा नहीं दिख रहा है कि उसमें आग लगी हो।
- हादसे का तीसरा कारण होता है टेक्निकल फॉल्ट यानी तकनीकी खामी। अब ये तकनीकी खामी कुछ भी हो सकती है।

दिया गया था 'मेडे कॉल'

विमान नियामक नागरिक उड्डयन महानिदेशालय) ने कहा कि उड़ान भरने के तुरंत बाद हवाई यातायात नियंत्रक को एक 'मेडे कॉल' दिया गया था, लेकिन उसके बाद हवाई यातायात नियंत्रक की ओर से की गई कॉल का विमान से कोई जवाब नहीं मिला। डीजीसीए ने एक बयान में कहा, रनवे 23 से प्रस्थान करने के तुरंत बाद विमान हवाई अड्डे की परिधि के बाहर नीचे गिर गया। एक वीडियो संदेश में एअर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) कैम्पबेल विल्सन ने कहा, जांच में समय लगेगा लेकिन हम जितना कुछ कर सकते हैं, कर रहे हैं।

शाह बोले-किसी को बचाने की गुंजाइश ही नहीं थी

इधर, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हुए एअर इंडिया के विमान का तापमान ईंधन जलने के कारण इतना अधिक था कि किसी को बचा पाने की कोई गुंजाइश ही नहीं थी। शाह ने संवाददाताओं से कहा, विमान के अंदर 1.25 लाख लीटर ईंधन था। विमान गर्म हो गया था, इसलिए किसी को भी बचाने की गुंजाइश नहीं थी। उन्होंने कहा कि इस त्रासदी के बाद पूरा देश गहरे सदमे में है। शाह ने दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिजन के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा, अधिकारी मृतकों की संख्या डीएनए की जांच और पीड़ितों की पहचान के बाद आधिकारिक तौर पर जारी करेंगे। शाह ने कहा, अच्छी खबर यह है कि दुर्घटना में एक व्यक्ति बच गया है और मैं उससे मिलने के बाद यहां आया हूं।

अहमदाबाद विमान हादसा-170 ताबूत तैयार करने का ऑर्डर

अहमदाबाद विमान हादसे में मरने वालों का आंकड़ा 275 पहुंचा गया है। शवों को रखने के लिए 170 ताबूत का ऑर्डर दिया गया। बड़ोदरा के शख्स ने बताया कि एअर इंडिया के मैनेजर ने फोन कर ताबूतों का ऑर्डर दिया। इधर, अहमदाबाद सिविल अस्पताल के डिप्टी सिविल सुपरिंटेंडेंट रजनीश पटेल ने शनिवार को कहा- अब तक 248 शवों के DNA सैंपल्स का क्रॉस वेरिफिकेशन हुआ है, जिसमें से 11 का DNA मैच हुआ है। पटेल ने कहा कि आज एक महिला का शव उनके परिवार को सौंपा गया। शुक्रवार का 8 शव उनके परिजनों को हैंडओवर किया गया था। कुल 9 शव सौंपे जा चुके हैं। 8 घायलों का इलाज चल रहा है, एक की हालत गंभीर है। वहीं, सिविल एविएशन मिनिस्टर के राममोहन नायडू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया- केंद्रीय गृह सचिव के नेतृत्व में जांच कमेटी गठित की गई है। जो 3 महीने में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। इससे पहले बीजे मेडिकल कॉलेज हॉस्टल से जब मलबा हटाया जा रहा था, तब विमान की टेल (पिछले हिस्से) में फंसा हुआ शव दिखा था। इसका पोस्टमॉर्टम हुआ है। कहा जा रहा है कि यह शव एयर होस्टेस का हो सकता है। अहमदाबाद प्लेन क्रैश मामले में विमान के पायलट सुमित सभरवाल का एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को भेजा गया आखिरी मैसेज सामने आया है। 4-5 सेकेंड के संदेश में सुमित कह रहे हैं, 'मेडे, मेडे, मेडे... थ्रस्ट नहीं मिल रहा। पावर कम हो रही है, प्लेन उठ नहीं रहा। नहीं बचेंगे।'

प्लेन क्रैश में मृतकों की संख्या पहुंची 270

ब्लैक बॉक्स मिला, खुलेगा हादसे का राज

गुजरात के अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त होने वाले एयर इंडिया के विमान में मृतकों की संख्या 270 तक पहुंच गई है। दुर्घटनास्थल के मलबे से ब्लैक बॉक्स बरामद किया गया। जिससे दुर्घटना के राज खुलेंगे। गुजरात एटीएस के अधिकारियों के अनुसार डीवीआर की फॉरेंसिक जांच की जाएगी कि यह डीवीआर विमान का है या किसी अन्य उपकरण का।

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

विमान दुर्घटना के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी घटनास्थल पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया तथा हताहतों के परिजनों से तथा अस्पताल में घायलों की स्थिति देखी। टाटा ग्रुप ने हादसे में मृतक सभी के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपए मुआवजा देने कहा है चाहे वे विमान में सवार थे अथवा नहीं।

विमान दुर्घटना के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी घटनास्थल पहुंचे और वहां का दर्दनाक दृश्य देखकर द्रवित हो गए। इस दौरान मोदी ने दिवंगत गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपानी के परिजनों से तथा घायलों से मुलाकात कर उन्हें ढाढ़स बंधाया। टाटा ग्रुप ने भी विमान में सवार सहित इस हादसे में काल कवलित हुए अन्य सभी लोगों को एक-एक करोड़ रुपए मुआवजा देने की घोषणा की है।

पीएम रूपाणी के परिवार से मुलाकात की

पीएम मोदी ने गांधीनगर में विजय रूपाणी के परिवार से मुलाकात की। उन्होंने एक्स पर लिखा- यह कल्पना करना भी मुश्किल है कि विजयभाई अब हमारे बीच नहीं हैं। मैं उन्हें दशकों से जानता था। हमने साथ मिलकर काम किया, कंधे से कंधा मिलाकर, कई मुश्किल दौरों में भी। विजयभाई विनम्र और मेहनती थे, और पार्टी की विचारधारा के प्रति पूरी तरह समर्पित थे। उन्होंने संगठन में विभिन्न जिम्मेदारियां निभाईं और बाद में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में ईमानदारी से सेवा की।

साबित हुआ आखिरी सफर

पति के बर्थ-डे सेलब्रेशन में जा रहीं थीं हरप्रीत

भिलाई

अहमदाबाद में हुए भीषण विमान हादसे ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। इस दुर्घटना में भिलाई की एक युवा साफ्टवेयर इंजीनियर बेटी की भी दर्दनाक मौत हो गई। 270 यात्रियों की अग्निसमाधि बना दुर्घटनाग्रस्त एयर इंडिया का ड्रीमलाइनर प्लेन में पति की लंबी उम्र के जश्न में शामिल होने लंदन जा रही हरप्रीत कौर के लिए भी आखिरी सफर साबित हुआ। उनके अचानक चल बसने से उनकी ननिहाल नेहरु नगर सहित शहर में गमगीन माहौल है। गुरुवार को अहमदाबाद से लंदन जा रहे एयर इंडिया के एक प्लेन के अहमदाबाद में क्रैश हो जाने से इसमें सवार 242 यात्रियों की मृत्यु हो गई। इस भंयकर दुर्घटना ने भिलाई के एक प्रतिष्ठित सिख परिवार से उसकी सबसे लाडली युवा सदस्य को छीन लिया।

- अहमदाबाद प्लेन हादसे में भिलाई की बेटी भी चल बसी
- चार साल पूर्व हुई थीं इंदौर के रांबी वोरा से शादी

समाज में गम का माहौल

गुरूवार को जैसे ही अहमदाबाद में विमान हादसे की खबर यहां उनके नाना को लगी, तो उन्होंने लंदन में दामाद राखी को कांल कर हादसे की सूचना दी। इसके बाद शुक्रवार को सुबह भिलाई से सदमे की हालत में नाना नानी माना रायपुर से प्लेन से अहमदाबाद के लिए निकले। वह डीएनए आदि शिनाख्त की प्रक्रिया में शामिल होंगे। परिजनों ने बताया की विमान हादसे में चल बसी हरप्रीत पिता महेंद्र सिंह होरा व अपनी मां की बहुत लाडली थी। बेटे की तरह परवरिश हुई थी, उनके कोई पुत्र नहीं था। छोटी बहन मां के पास रहती है। वहीं पति के साथ अपनी ननिहाल भिलाई आखिरी बार चार माह पूर्व आई थी। हरप्रीत की विमान दुर्घटना में मौत के बाद यहां नेहरुनगर सहित समाज में गम का माहौल है।

सब कुछ जल गया मगर भगवद् गीता को आंच तक नहीं आई...

अहमदाबाद विमान हादसे के बाद इतनी भीषण आग लगी कि चंद मिनटों में न केवल लोहा तक पिघल गया बल्कि वहां मौजूद पशु-पक्षी, वृक्ष तक जलकर खाक हो गए लेकिन विमान में किसी यात्री के बैग में रखी भगवद् गीता को आंच तक नहीं आई और वह सुरक्षित बची। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें राहत-बचाव कार्य में लगा एक युवक हाथों में सुरक्षित भगवद् गीता लिए दिखा रहा है। शुरुआत के एकाध पन्ने पर जलने के निशान हैं लेकिन अंदर के सभी पन्ने और किताब में मौजूद भगवान श्रीकृष्ण व देवी-देवताओं की तस्वीरें सुरक्षित हैं।

घायलों से मिले मोदी, क्रैश साइट देखकर हुए भावुक

सभी विमानों की सुरक्षा जांच अनिवार्य

डीजीसीए ने बोइंग के सभी ड्रीमलाइनर विमानों की खेड़े पर सुरक्षा जांच को सख्त कर दिया है। डीजीसीए ने विमान कंपनियों को आदेश दिया है कि उन्हे 15 जून की मध्यरात्रि से भारत से उड़ान भरने के पहले समुचित जांच कराना अनिवार्य है।

केंद्र ने उच्च स्तरीय पैनल बनाया, एसओपी सुझाएगा

विमान हादसा जमीन पर मरने वाले 34 हुए

कुल मृतक संख्या 275, इनमें विमान सवार 241 थे

नई दिल्ली/अहमदाबाद

अहमदाबाद हादसे के तीसरे दिन शनिवार को नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय पैनल बनाया है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु ने कहा, पैनल दुर्घटना के मूल कारणों का पता लगाएगा। मैकेनिकल फैल्योर, मानवीय भूल, नियमों के पालन और अन्य कारणों सहित दुर्घटना में अहम रहे कारकों का आकलन करेगा। पैनल ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए जरूरी सुधारों की सिफारिश करेगा और एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) भी सुझाएगा। इसके बाद तीन महीने में रिपोर्ट सौंपेगा। आदेश में कहा गया है कि एसओपी में ऐसी घटनाओं को रोकने और उनसे निपटने के लिए दुनियाभर में इस्तेमाल किए जाने वाले बिंदुओं को भी शामिल किया जाएगा।

नायडू ने कहा, उड्डयन सचिव और गृह मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव पैनल के सदस्य होंगे। बोइंग 787 सीरीज के विमानों की विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। देश में इस मॉडल के 34 विमान हैं। 8 की जांच हो चुकी है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सचिव समीर कुमार सिन्हा ने पहली बार आधिकारिक रूप से बताया कि विमान ने 12 जून की दोपहर दोपहर 1:39 बजे उड़ान भरी। कुछ ही सेकंड में करीब 650 फीट की ऊंचाई पर पहुंचकर इसकी ऊंचाई कम होने लगी। दोपहर 1:39 बजे पायलट ने अहमदाबाद एटीसी को मेडे कॉल किया। एटीसी ने विमान से संपर्क करने की कोशिश की तो कोई जवाब नहीं मिला।

मलबे से शव निकलना जारी, तीन और शव के डीएनए मिले

बिल्डिंग में फंसे विमान के टेल वाले हिस्से के मलबे से शव समेटते एनडीआरएफ कर्मचारी।

विमान हादसे में मरने वालों की संख्या 275 हो गई है। इनमें 241 विमान सवार और मेडिकल छात्र व अन्य 34 हैं। सिविल हॉस्पिटल ने शनिवार को 3 और शवों के डीएनए का परिजनों के डीएनए से मिलान किया। डीएनए के आधार पर अब तक 9 शवों की शिनाख्त हुई है। 10 शव परिजनों को सौंपे जा चुके हैं। शुक्रवार तक 220 मृतकों के परिजन डीएनए सैंपल दे चुके थे। सिविल हॉस्पिटल के मुताबिक, डीएनए मैच में 72 घंटे लगते हैं।

एअर इंडिया 25-25 लाख रुपए देगी

एअर इंडिया ने शनिवार को घोषणा की कि वह मृतकों और जीवित बचे लोगों के परिवारों को 25 लाख रुपए का अंतरिम भुगतान करेगी। यह अंतरिम भुगतान मूल कंपनी टाटा संस द्वारा पहले ही घोषित एक करोड़ रुपए के मुआवजे के अतिरिक्त है।

बारिश न होने पर अपनाए जाते हैं ये विचित्र रीति-रिवाज

नई दिल्ली। मानसून का मौसम अपने साथ मन को लुभाने वाली बारिश ले कर आता है, जिसके जरिए जन-जीवन और पेड़-पौधे तारो-ताजा हो उठते हैं। हालांकि, क्या अपने कभी सोचा है मानसून में बरसात ही न हो तो क्या करना चाहिए? दरअसल, भारत में बारिश करवाने के लिए लोग तरह-तरह के विचित्र रिवाज अपनाते हैं, जिनके बारे में सुनकर आप हैरान हो जाएंगे। आइए बरसात न होने पर देश में की जाने वाली प्रथाओं के बारे में जानते हैं।

जानवरों की शादी करवाना

असम और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में बरसात करवाने के लिए मेंढक और मेंढकी की पूरे विधि-विधान के साथ शादी कराई जाती है। ऐसा माना जाता है कि अगर मेंढकों का यह जोड़ा साथ रहा, तो जल्द बारिश हो जाएगी। इसके बाद इस नवविवाहित जोड़े को आसमान की ओर उठाया जाता है, जिससे भगवान उन्हें देख सकें। वहीं, कर्नाटक में वर्षा के देवता को खुश करने के लिए मेंढकों की जगह गधों की शादी करवाई जाती है।

लड़कों का कीचड़ में लोटना

उत्तर प्रदेश के शहर इलाहाबाद में बारिश बुलाने के लिए एक बेहद विचित्र रिवाज किया जाता है। अब प्रयागराज नाम से पहचाने जाने वाले इस शहर में युवा लड़के कीचड़ में लोटकर वर्षा देवता को प्रसन्न करने का प्रयास करते हैं। सभी लड़के नग्न होकर या केवल शॉर्ट्स पहनकर कीचड़ में लेटते हैं और हाथ जोड़कर प्रार्थना करते हैं।

गुड्डे-गुड़िया की शादी करवाना

बचपन में सभी ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर गुड़िया-गुड्डे की शादी करवाई होगी, जो एक मजेदार खेल हुआ करता था। हालांकि, पिछले साल कर्नाटक के रहने वाले कुछ लोगों ने बरसात न होने पर परेशान होकर गुड्डे-गुड़िया की शादी करवाई थी। उनका मानना था कि ऐसा करने के एक हफ्ते बाद ही बारिश हो जाएगी।

इजराइली हमले में 138 ईरानियों की मौत

तेहरान/तेल अवीव

इजराइल और ईरान के बीच टकराव जारी है। पिछले दो दिनों में ईरान में 138 लोग मारे गए हैं। इजराइल ने शुक्रवार रात 10:30 बजे दूसरी बार ईरान के परमाणु ठिकानों पर फाइटर प्लेन से हमले किए। इस हमले में 60 लोगों की मौत हो गई। जबकि 350 से ज्यादा लोग घायल हुए। इससे पहले ईरान में शुक्रवार सुबह 5:30 बजे हुए हमले में 78 लोग मारे गए थे। इनमें 9 न्यूक्लियर साइंटिस्ट और 20 से ज्यादा ईरानी कमांडर्स शामिल थे। ईरान ने भी जवाबी हमला करते हुए इजराइल पर 150 से ज्यादा मिसाइलें दागीं, जिनमें 6 राजधानी तेल अवीव में गिरीं। इजराइल में अब तक 3 लोगों की मौत की खबर है। 7 जवान सहित 90 से ज्यादा घायल हुए हैं। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को सुरक्षित ठिकाने पर शिफ्ट कर दिया गया है। ईरान ने दावा किया है कि मिसाइल इजराइली रक्षा मंत्रालय पर भी गिरी। हालांकि अभी तक इजराइल ने इसकी पुष्टि नहीं की है। इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने शनिवार को ईरान को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अगर ईरानी सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई ने और मिसाइलें दागीं, तो तेहरान जला देंगे।

जांच के लिए हॉस्टल के चारों ब्लॉक खाली कराए गए

बीजे मेडिकल कॉलेज की डीन मीनाक्षी पारीख ने बताया कि दुर्घटना में क्षतिग्रस्त हुए हॉस्टल अतुल्यम 1, 2, 3 और 4 को खाली कराया जा रहा है, ताकि एएआईबी जांच कर सके। यहां रहने वाले पोस्ट ग्रेजुएट स्टूडेंट्स के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई है।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश : इसी सीट की स्थिति की वजह से बचे विश्वास कुमार!

सीट नंबर-11 ए.. सबसे नापसंदीदा सीट साबित हुई सबसे लकी

चमत्कार, अचंभा... जैसे शब्द आज अहमदाबाद विमान हादसे में एक मात्र जीवित बचे यात्री विश्वास कुमार रमेश पर सच साबित हो रहे हैं। विश्वास कुमार रमेश एअर इंडिया की अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट एआई171 में थे। विश्वास कुमार रमेश बोइंग के विमान 787-8 ड्रीमलाइनर के सीट नंबर 11ए पर बैठे थे। हवाई सफर पर लगातार चलने वाले लोग बोइंग विमान में सीट नंबर 11-ए को नापसंदीदा सीट मानते हैं। अगर आप इतने बदकिस्मत हैं कि आपको यही सीट मिल जाती है यानी कि सीट नंबर 11-ए तो आप पाएंगे कि आप विमान के बीच में फंस गए हैं और आपको कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा है।

ज्यादातर यात्री बोइंग में 11-ए सीट को लेना नहीं करते हैं पसंद

नापसंदगी की वजह

फ्लाइट संबंधी मुद्दों पर जानकारी देने वाली वेबसाइट यूमीलाटेक के अनुसार ऐसा इसलिए होता है क्योंकि यह सीट किसी सामान्य खिड़की के बगल में नहीं है, बल्कि वहां एक छोटी सी गोलाकार खिड़की है जिससे आप मुश्किल से ही बाहर देख सकते हैं। बोइंग की 737-800 विमानों में स्थिति और भी खराब होती है। यह विंडो सीट होते हुए भी बिना विंडो वाला सीट होता है। ऐसा विमान के एयर कंडीशनिंग सिस्टम के कारण होता है, जहां सीट 11ए के साथ-साथ एक डक्ट चलता है, जो खिड़की वाली जगह को ब्लॉक करता है। खिड़की से बाहर देखने की उम्मीद करने वाले यात्री जब यहां बैठते हैं तो यहां एक खाली दीवार पाकर निराश हो जाते हैं।

अन्य विमानों में भी यात्री इससे बचते

इसके अतिरिक्त कुछ विमानों में 11ए विमान के मध्य के पास होता है, जिससे भोजन परोसने और उतरने में देरी होती है, और पंख के ऊपर इसकी स्थिति का मतलब अधिक इंजन शोर और कम लेगरूम हो सकता है। रयानएयर इस समस्या से जूझती दिखती है। अलास्का एयरलाइंस जैसी अन्य एयरलाइनों के पास बोइंग 737 वेरिएंट पर समान स्थिति (जैसे, 9A-11ए) में खिड़की नहीं होती है। अमेरिकन एयरलाइंस के फ्लाइट अटेंडेंट बताते हैं कि सीट 11ए और 11F, जो दोनों ही विंडो सीट हैं, पर यात्री बैठने से बचते हैं, क्योंकि वे विमान से उतरने वाले आखिरी यात्री हो सकते हैं, क्योंकि यह सीट विमान के बीच में स्थित है। उन्होंने कहा, 'अगर आप जल्दी से बाहर निकलना चाहते हैं, तो हर कीमत पर पंक्ति 11 से बचें।' यही वजह है कि लोग इस सीट को नापसंद करते हैं। यही नापसंदीदा सीट विश्वास कुमार रमेश के लिए नई जिंदगी लेकर आई। ये आश्चर्य से कम नहीं है कि वे इस प्लेन हादसे के एकमात्र सवाईवर हैं। ब्रिटिश वेबसाइट जीबीएन न्यूज से बात करते हुए एविएशन विशेषज्ञ गॉय लिच ने अहमदाबाद की घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस वाकये को याद कर उनके दिमाग में चमत्कार शब्द आता है

इकोनॉमी क्लास की पहली पंक्ति

गौरतलब है कि विश्वास कुमार रमेश अहमदाबाद-लंदन एआई171 उड़ान के बोइंग 787-8 विमान में थे। इस विमान में 12 चालक दल के सदस्यों सहित 242 लोग सवार थे। और विश्वास कुमार रमेश की सीट 11ए थी। '11ए' एअर इंडिया के B787-8 विमानों की इकोनॉमी क्लास की पहली पंक्ति की छह सीटों में से एक है। सीट मैप के अनुसार, यह आपातकालीन निकास द्वारों में से एक के पास की खिड़की वाली सीट है और साथ ही विमान के गली क्षेत्र में भी है। अहमदाबाद के एक अस्पताल में भर्ती विश्वास कुमार रमेश से शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और उनका हाल चाल जाना।

सम्पादकीय

अहमदाबाद विमान हादसा, क्या उड़ान सुरक्षा मानकों पर फिर उठने लगे हैं सवाल?

विमान का उड़ान भरना और उतरना उड़ान का सबसे खतरनाक चरण होता है। जब यह हादसा हुआ, तब विमान 625 फुट की ऊंचाई पर था, जिससे यह सवाल उठता है कि क्या चालक दल किसी एक ही समस्या से निपट रहा था या एक साथ कई समस्याओं से। अहमदाबाद हवाई अड्डे के पास हुई भीषण विमान दुर्घटना ने देश को झकझोर दिया है। उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद हुई इस दुर्घटना से जांचकताओं और विमानन विशेषज्ञों के सामने कई सवाल उठ खड़े हुए हैं। भारत में पिछले दशकों में कई हवाई दुर्घटनाएं देखी गई हैं। हरेक हादसे के बाद विमानन क्षेत्र में सुरक्षा के नए मानकों को लेकर मंथन हुआ है और जरूरी बदलाव किए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक छानबीन के तय मानक हैं और सुझावों को हर देश को मानना होता है। सवाल उठता है कि अहमदाबाद में क्या हुआ। हादसे के जो वीडियो सामने आए हैं, उनसे स्पष्ट है कि विमान उड़ते समय नीचे गिरा। अचानक विमान की बिजली ठप हो जाने से ऐसा होता है। इससे इंजन बंद हो जाते हैं, लेकिन इस बात की कम संभावना होती है कि किसी विमान के दोनों इंजन एक साथ बंद हो जाएं। विशेषज्ञों के मुताबिक, इस हादसे में एक बात खटकने वाली है। विमान के उड़ान भरते ही लैंडिंग गियर को ऊपर उठा दिया जाता है, लेकिन इसका लैंडिंग गियर नीचे था। संभव है कि पायलट को इंजन में खराबी का पता चला हो और उसने संभालने की कोशिश की हो। दरअसल, विमान का उड़ान भरना और उतरना उड़ान का सबसे खतरनाक चरण होता है। जब यह हादसा हुआ, तब विमान 625 फुट की ऊंचाई पर था, जिससे यह सवाल उठता है कि क्या चालक दल किसी एक ही समस्या से निपट रहा था या एक साथ कई समस्याओं से। हादसे का शिकार हुआ विमान बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर था जो चौड़े आकार वाला और दो इंजन से लैस होता है। जब जांच होगी तो पहला सवाल यही पूछा जाएगा कि यह विमान उड़ान भरने के लिए सही ढंग से तैयार था या नहीं। जेट विमानों में कई सहयोगी प्रणालियां होती हैं जिसमें केवल एक इंजन के साथ ऊपर चढ़ने की क्षमता भी शामिल होती है। अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि एअर इंडिया के इस विमान ने कितनी उड़ानें पूरी की थीं। फ्लाइट रडार24 के आंकड़ों के मुताबिक, यह विमान एक दशक से भी ज्यादा पुराना था। बोइंग के ड्रीमलाइनर को लेकर अतीत में सुरक्षा संबंधी चिंताएं सामने आई थीं, लेकिन कभी दुर्घटना नहीं हुई थी। भारतीय वायु क्षेत्र में पिछला बड़ा हादसा 2020 में हुआ था, जब एअर इंडिया एक्सप्रेस की सहायक कंपनी का एक यात्री विमान केरल में बारिश से भीगे रनवे पर फिसल गया और दो टुकड़ों में टूट गया। कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई थी। वर्ष 2010 में, एअर इंडिया एक्सप्रेस का एक विमान मैंगलोर में एक पहाड़ी रनवे से फिसल गया था। विमान में आग लग गई थी, जिसमें 150 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। यह वह दौर था, जब भारत के तेजी से बढ़ते विमानन क्षेत्र में सुरक्षा और व्यावसायिकता को लेकर कई स्तर पर लोग चिंतित थे। अब स्थिति सुधरने लगी थी और विमानन क्षेत्र ने करवट लेनी शुरू की थी। सरकार ने उड़ान समेत कई नई योजनाएं शुरू कीं। ऐसे में बड़े हादसे से समूची कवायद ठिठक जाएगी। उठे सवालों पर मंथन कर आगे बढ़ना होगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि झकझोर देने वाले इस हादसे से विमानन कंपनियों समेत तमाम पक्ष सबक लेंगे और सुरक्षा की सौ फीसद गारंटी दी जा सकेगी।

सुशील कुमार सिंह प्रधान संपादक

स्वैच्छिक रक्तदान की संस्कृति को बढ़ावा देकर उजाला बने

विश्व रक्तदाता दिवस - 14 जून 2025 पर विशेष

भारत विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाला देश होने के बावजूद रक्तदान में काफी पीछे है। रक्त की कमी को खत्म करने के लिए विश्व भर में रक्तदान दिवस मनाया जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक के तहत भारत में सालाना एक करोड़ यूनिट रक्त की जरूरत है लेकिन उपलब्ध 75 लाख यूनिट ही हो पाता है। यानी करीब 25 लाख यूनिट रक्त के अभाव में हर साल हजारों मरीज दम तोड़ देते हैं। यह अकारण नहीं कि भारत की आबादी भले ही डेढ़ अरब पहुंच गयी हो, रक्तदाताओं का आंकड़ा कुल आबादी का एक प्रतिशत भी नहीं पहुंच पाया है। वहीं दुनिया के कई सारे देश हैं जो इस मामले में भारत को काफी पीछे छोड़ देते हैं। मालूम हो कि नेपाल में कुल रक्त की जरूरत का 90 फीसदी स्वैच्छिक रक्तदान से पूरा होता है तो श्रीलंका में 60 फीसदी, थाईलेण्ड में 95 फीसदी, इण्डोनेशिया में 77 फीसदी और अपनी निरंकुश हुकूमत के लिए चर्चित बर्मा में 60 फीसदी हिस्सा रक्तदान से पूरा होता है। रक्तदान को लेकर विभिन्न भ्रांतियां समाज में परिव्याप्त है। रक्त की महिमा सभी जानते हैं। रक्त से आपकी जिंदगी तो चलती ही है साथ ही कितने अन्य के जीवन को भी बचाया जा सकता है। भारत में अभी भी बहुत से लोग यह समझते हैं कि रक्तदान से शरीर कमजोर हो जाता है और उस रक्त की भरपाई होने में महीनों लग जाते हैं।

आलोक सोलंकी

किसी के जीवन में रंग भरने का, जीवन और मौत के बीच जूझ रहे लोगों को जीवन देने का और अधिक स्वास्थ्य संकट से घीरे व्यक्ति के जीवन में आशा की किरण बनने का सशक्त माध्यम है रक्तदान। दुनिया भर में अनगिनत लोगों को रक्त की अपेक्षा होती है, इसलिये रक्तदान-महादान है। रक्तदान के महत्व को उजागर करने के लिये विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा हर साल 14 जून को विश्व रक्तदान दिवस मनाया जाता है। किसी व्यक्ति के जीवन में रक्तदान के महत्व को समझाने के साथ ही रक्तदान करने के लिये आम इंसान को प्रेरित एवं प्रोत्साहित करने के लिये यह दिवस मनाया जाता है। इंसान की सम्पत्ति का कोई मतलब नहीं अगर उसे बांटा और उपयोग में नहीं लाया जाए, चाहे वे शरीर का रक्त ही क्यों न हो। किसी व्यक्ति की रक्तअल्पता के कारण मृत्यु न हो, इस दृष्टि से रक्तदान एक महान दान है, जो किसी को जीवन-दान देने के साथ हमें स्वर्ग-पथ की ओर अग्रसर करता है। ऐसा दानदाता समाज, सृष्टि एवं परमेश्वर के प्रति अपना कर्त्तव्य पालन करता है। रक्तदाता कोई भी हो सकता है, जिसका रक्त किसी अत्यधिक जरुरतमंद मरीज को दिया जा सकता है। किसी के द्वारा दिये गये रक्त से किसी को नया जीवन मिल सकता है, उसकी जिन्दगी में बहार आ जाती है। इस वर्ष इस दिवस की थीम है रक्त दें, आशा दें- साथ मिलकर हम जीवन बचाते हैं। यह थीम रक्तदाताओं के जीवन-परिवर्तनकारी प्रभाव पर प्रकाश डालती है, समुदाय और एकता का सम्मान करती है, तथा नए और नियमित रक्तदाताओं दोनों को जीवन बचाने में मदद करने के लिए प्रेरित करती है।

दरअसल विश्व रक्तदान दिवस, शरीर विज्ञान में नोबल पुरस्कार प्राप्त कर चुके वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टाईन की याद में पूरे विश्व में मनाया जाता है, उनका जन्म 14 जून 1868 को हुआ था। उन्होंने मानव रक्त में उपस्थित एग्ल्युटिनिन की मौजूदगी के आधार पर रक्तकणों का ए, बी और ओ समूह की पहचान की थी। रक्त के इस वर्गीकरण ने चिकित्सा विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसी खोज के लिए महान वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टाईन को साल 1930 में नोबल पुरस्कार दिया गया था। उनकी इसी खोज से आज करोड़ों से ज्यादा लोग रक्तदान रोजाना करते हैं और इसी के कारण लाखों की जिंदगियां बचाई जाती हैं, जिससे रक्त प्राप्त करने वाले व्यक्ति को एक नयी जिंदगी और उनके परिवारों के चेहरे पर एक प्राकृतिक मुस्कुराहट देता है। रक्तदान का महत्व न केवल उन हजारों लोगों के जीवन को बचाना है जो रक्त की कमी या अभाव के कारण जीवन एवं मृत्यु के बीच संघर्षरत हैं, बल्कि विभिन्न बीमारियों से प्रभावित कई अन्य लोगों के जीवन को बचाना और उन्हें अनेक बीमारियों से लड़ने में मदद करना भी है। कल्पना कीजिए कि यह जानकर कैसा महसूस होगा कि आपने किसी की जान बचाई है। आपकी वजह से, कोई व्यक्ति अब अपने परिवार के साथ रह रहा है, पढ़ाई कर रहा है और दुनिया में मौजूद है। यह दिन चुनौतियों को स्वीकार करता है और सुरक्षित रक्त दान को सार्वभौमिक रूप से सुलभ बनाने की दिशा में प्रगति को गति देता है। इस दिवस को मनाने का एक और महत्वपूर्ण कारण स्वैच्छिक रक्तदान की संस्कृति को बढ़ावा देना है। जो यह सुनिश्चित करता है कि दुनिया को सबसे ज्यादा जरूरत पड़ने पर सुरक्षित रक्त मिल सके। यह भी देखा गया है कि जब लोगों ने अपना रक्तदान किया है, तो उन्हें कई स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हुए हैं। रक्तदान करने वाले ज्यादातर लोग अपनी बीमारियों से जल्दी ठीक हो जाते हैं और लंबी उम्र जीते हैं, यह वजन घटाने, स्वस्थ लीवर और आयरन के स्तर को बनाए रखने, दिल के दौरे और कैंसर के जोखिम को कम करने में भी मदद करता है। इस अभियान का उद्देश्य सुरक्षित रक्त और प्लाज्मा दान की निरंतर आवश्यकता के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाना, दानकताओं के सकारात्मक प्रभाव पर जोर देना, तथा राष्ट्रीय रक्त कार्यक्रमों में निवेश करने और उन्हें बनाए रखने के लिए सरकारों और विकास भागीदारों से समर्थन जुटाना है।

भारत विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाला देश होने के बावजूद रक्तदान में काफी पीछे है। रक्त की कमी को खत्म करने के लिए विश्व भर में रक्तदान दिवस मनाया जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक के तहत भारत में सालाना एक करोड़ यूनिट रक्त की जरूरत है लेकिन उपलब्ध 75 लाख यूनिट ही हो पाता है। यानी करीब 25 लाख यूनिट रक्त के अभाव में हर साल हजारों मरीज दम तोड़ देते हैं। यह अकारण नहीं कि भारत की आबादी भले ही डेढ़ अरब पहुंच गयी हो, रक्तदाताओं का आंकड़ा कुल आबादी का एक प्रतिशत भी नहीं पहुंच पाया है। वहीं दुनिया के कई सारे देश हैं जो इस मामले में भारत को काफी पीछे छोड़ देते हैं। मालूम हो कि नेपाल में कुल रक्त की जरूरत का 90 फीसदी स्वैच्छिक रक्तदान से पूरा होता है तो श्रीलंका में 60 फीसदी, थाईलेण्ड में 95 फीसदी, इण्डोनेशिया में 77 फीसदी और अपनी निरंकुश हुकूमत के लिए चर्चित बर्मा में 60 फीसदी हिस्सा रक्तदान से पूरा होता है। रक्तदान को लेकर विभिन्न भ्रांतियां समाज में परिव्याप्त है। रक्त की महिमा सभी जानते हैं। रक्त से आपकी जिंदगी तो चलती ही है साथ ही कितने अन्य के जीवन को भी बचाया जा सकता है। भारत में अभी भी बहुत से लोग यह समझते हैं कि रक्तदान से शरीर कमजोर हो जाता है और उस रक्त की भरपाई होने में महीनों लग जाते हैं। इतना ही नहीं यह गलतफहमी भी व्याप्त है कि नियमित रक्त देने से लोगों की रोगप्रतिरोधक क्षमता कम होती है और उसे बीमारियां जल्दी जकड़ लेती हैं। यहाँ भ्रम इस कदर फैला हुआ है कि लोग रक्तदान का नाम सुनकर ही सिहर उठते हैं। भारतीय रेडक्रास के अनुसार देश में रक्तदान को लेकर भ्रांतियाँ कम हुई हैं पर अब भी काफी कुछ किया जाना बाकी है। किसी व्यक्ति को रक्त की आवश्यकता क्यों होती है इसके विभिन्न कारण हैं। एक बीमारी, दुर्घटना असाध्य ओपरेशन कुछ भी हो सकती है, लेकिन यह महत्वपूर्ण है। रक्तदान करते हुए डोनर के शरीर से केवल 1 यूनिट रक्त ही लिया जाता है। एक बार रक्तदान से आप 3 लोगों की जिंदगी बचा सकते हैं। ब्लड डोनेशन की प्रक्रिया काफी सरल होती है और रक्त दाता को आमतौर पर इसमें कोई तकलीफ नहीं होती हैं। रक्त दाता का वजन, पल्स रेट, ब्लड प्रेशर, बॉडी टेम्परेचर आदि चीजों के सामान्य पाए जाने पर ही डॉक्टर्स या ब्लड डोनेशन टीम के सदस्य आपका ब्लड लेते हैं। पुरुष 3 महीने और महिलाएं 4 महीने के अंतराल में नियमित रक्तदान कर सकती हैं। यदि आप स्वस्थ हैं, आपको किसी प्रकार का बुखार या बीमारी नहीं हैं, तो ही आप रक्तदान कर सकते हैं। रक्तदान खुशी देने एवं खुशी बटोरने का एक जरिया है। एक चीनी कहावत- पुष्प इकट्ठा करने वाले हाथ में कुछ सुगंध हमेशा रह जाती है। जो लोग दूसरों की जिंदगी रोशन करते हैं, उनकी जिंदगी खुद रोशन हो जाती है। रक्तदान ऐसा पुण्य है जो किसी को नयी जिन्दगी देता है तो खुद को भी खुशी का अहसास कराता है। रक्तदान पूरे विश्व में मनाये जाने वाले महत्त्वपूर्ण दिवसों में से एक है। कोई भी व्यक्ति चाहे, वह किसी भी उम्र, जाति, धर्म और समुदाय का हों, वह रक्तदान कर सकता है। भारत महर्षि दधीचि जैसे ऋषियों का देश है, जिन्होंने एक कबूतर के प्राणों व असुरों से जन सामान्य की रक्षा के लिये अपना देहदान कर दिया था। परंतु समय के साथ भारत में रक्तदान की प्रवृत्ति में गिरावट देखी गई। निश्चित तौर पर रक्तदान करके किसी अन्य व्यक्ति की जिंदगी में नई उम्मीदों का सवेरा लाया जा सकता है। इस तरह रक्तदान करने से एक प्रेरणादायी शक्ति पैदा होती है, जो अद्भुत होती है, यह ईश्वर के प्रति सच्ची प्रार्थना है। इस तरह की उदारता व्यक्ति की महानता का द्योतक है, जो न केवल आपको बल्कि दूसरे को भी प्रसन्नता, जीवनऊर्जा एवं जीवन प्रदान करती है।

भारतीय न्यायपालिका की स्वतंत्रता का बेजा इस्तेमाल के लिए दोषी कौन?

कमलेश पांडे

सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बी आर गवई ने मुख्य न्यायाधीश ग्रेट ब्रिटेन में वहां के सुप्रीम कोर्ट द्वारा आयोजित एक गोलमेज सम्मेलन में 'न्यायिक वैधता और सार्वजनिक विश्वास बनाए रखने के' विषय पर जो बातें कही हैं, उनपर गौर फरमाना हर प्रबुद्ध व्यक्ति के लिए लाजिमी है। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा है कि ज्यूडिशियरी में करप्शन और मिसकण्डक्ट से न्यायपालिका पर लोगों का भरोसा कम होता है। भारतीय लोकतंत्र में न्यायपालिका की स्वतंत्रता अक्षुण्ण रखने के लिए जजों का स्वतंत्र रहना बहुत जरूरी है। लेकिन प्रतिष्ठित पदों पर रहते हुए कतिपय जजों ने जो कुछ कारनामें किए हैं, उसके दृष्टिगत न्यायपालिका में मूलभूत बदलाव नहीं करना जनतंत्र के लिए भी अहितकर साबित हो रहा है। इसलिए यक्ष प्रश्न है कि भारत में न्यायपालिका की स्वतंत्रता का बेजा इस्तेमाल के लिए आखिर में दोषी कौन है? और उसके खिलाफ त्वरित कार्रवाई करने, करवाने में न्यायिक प्रशासन या फिर कार्यपालक प्रशासन के हाथपांव क्यों फूलने लगते हैं? यदि पुरानी बातें छोड़ भी दें तो जस्टिस जे एस वर्मा के खिलाफ जितनी मंथर गति से कार्रवाई चल रही है, वह पूरी संवैधानिक व्यवस्था के लिए गम्भीर चिंता की बात है। इससे भ्रष्टाचार के संलिप्त लोगों को बढ़ावा मिलेगा।

सुलगता सवाल है कि किसी भी मामले में जितनी ततपरता पूर्वक आम आदमी के खिलाफ कार्रवाई होती है, उतनी ही ततपरतापूर्वक कार्रवाई किसी खास आदमी के खिलाफ आखिर क्यों नहीं दिखाई देती है? क्या चोर-चोर मौसेरे भाई वाली कहावत यहां भी चरितार्थ होती है? आखिर हमारी संसद इन विषयों पर स्पष्ट और पारदर्शी कानून क्यों नहीं बनाती है? हमारे देश में संसद सर्वोच्च है या सुप्रीम कोर्ट, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि यह चर्चा समीचीन है कि विधायिका या न्यायपालिका में महत्वपूर्ण पदों पर आसीन भ्रष्ट आचरण वाले व्यक्तियों के खिलाफ आम आदमी की तरह नहीं बल्कि खास आदमी की तरह विलंबित कार्रवाई आखिर क्यों होनी चाहिए? चूंकि विधायिका और न्यायपालिका दोनों ने अपनी सर्वोच्च स्थिति का दुरूपयोग किया है, इसलिए लोकहित या व्यवस्था हित वाले रेयर ऑफ द रेयररेस्ट मामलों में विद्वत परिषद या जनमत सर्वेक्षण के माध्यम से किसी अंतिम निर्णय पर पहुंचने की वैधानिक व्यवस्था होनी चाहिए। इस लिहाज से सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बी आर गवई ने मुख्य न्यायाधीश ग्रेट ब्रिटेन में वहां के सुप्रीम कोर्ट द्वारा आयोजित एक गोलमेज सम्मेलन में 'न्यायिक वैधता और सार्वजनिक विश्वास बनाए रखने के' विषय पर जो बातें कही हैं, उनपर गौर फरमाना हर प्रबुद्ध व्यक्ति के लिए लाजिमी है। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा है कि ज्यूडिशियरी में करप्शन और मिसकण्डक्ट से न्यायपालिका पर लोगों का भरोसा कम होता है। इसलिए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ज्यूडिशियरी को केवल न्याय नहीं करना है, बल्कि उसे एक संस्थान के रूप में भी देखा जाना चाहिए जो सत्ता से सच कहने की क्षमता रखता है।

कहना न होगा कि जहां एक ओर भारतीय लोकतंत्र को मजबूत बनाने में न्यायपालिका का महत्वपूर्ण स्थान है, वहीं दूसरी ओर लोकतंत्र की जड़ों को खोखली करने में भी न्यायपालिका की प्रत्यक्ष/परोक्ष भूमिका से इंकार नहीं किया जा सकता है। यह बात मैं नहीं कह रहा हूँ, बल्कि इस देश में चल रहे विभिन्न न्यायिक घटनाक्रमों का सार-सत्य कुछ ऐसा ही है, जो चिंताजनक बात है। देखा जाए तो सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी आर गवई ने अपने लहजे में न्यायपालिका की बड़ाई और शिकायत दोनों करते हुए परोक्ष रूप से न्यायाधीशों, नौकरशाहों व राजनेताओं के लिए कुछ लक्ष्मण रेखा खींचने की कोशिश करते हुए उन्हें कतिपय नसीहतें भी दी हैं, जिन्हें समझे जाने और उसके दृष्टिगत सर्वश्रेष्ठ समाधान निकाले जाने की जरूरत है। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने जजों की नियुक्ति पर महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा है कि सरकार ने दो बार सबसे वरिष्ठ न्यायाधीशों को नजरअंदाज किया क्योंकि उस समय अंतिम निर्णय सरकार का था। यही वजह है कि भारत के मुख्य न्यायाधीश ने न्यायिक नियुक्तियों में कार्यपालिका की भूमिका पर सवाल उठाते हुए राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग अधिनियम को न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए खतरा बताया और कहा कि इससे जजों की स्वतंत्रता पर आंच आ सकती है। दरअसल, उक्त गोलमेज सम्मेलन में जस्टिस विक्रम नाथ, इंग्लैंड और वेल्स की लेडी चीफ जस्टिस बैरोनेस कैर और यूके के सुप्रीम कोर्ट के जज जॉर्ज लेगट की मौजूदगी में भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि, 'भारत में, न्यायपालिका व कार्यपालिका के बीच विवाद का एक मुख्य मुद्दा यह रहा है कि न्यायिक नियुक्तियों में प्राथमिकता किसकी है? उन्होंने कहा कि 1993 तक, सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट में जजों की नियुक्ति में अंतिम निर्णय कार्यपालिका का होता था। यही वजह है कि उक्त अवधि के दौरान, भारत के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति में कार्यपालिका ने दो बार जजों के फैसले को अनदेखा किया, जो स्थापित परंपरा के विरुद्ध था।'

उल्लेखनीय है कि सीजेआई पद के लिए जिन दो जजों को दरकिनार किया गया है, वे हैं जस्टिस सैयद जाफर इमाम और जस्टिस हंस राज खन्ना। जहां जस्टिस इमाम को 1964 में शीर्ष पद नहीं सौंपा जा सका था क्योंकि वे स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से पीड़ित थे और तत्कालीन जवाहरलाल नेहरू सरकार ने जस्टिस पीबी गजेंद्रगढ़कर को यह पद सौंपा था। वहीं, न्यायमूर्ति खन्ना को 1977 में इंदिरा गांधी सरकार की नाराजगी का सामना करना पड़ा था। क्योंकि जब एडीएम जबलपुर बनाम शिव कांत शुक्ला मामले में उनके असहमति वाले फैसले के कुछ महीनों बाद ही उन्हें चीफ जस्टिस का पद खोना पड़ा था। क्योंकि उस मामले में उन्होंने फैसला सुनाया था कि राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान भी मौलिक अधिकारों को निलंबित नहीं किया जा सकता है। यही बात इंदिरा गांधी सरकार को नागवार गुजरी थी। सीजेआई के मुताबिक, इसके जवाब में सुप्रीम कोर्ट ने साल 1993 और 1998 के अपने फैसलों में जजों की नियुक्ति से संबंधित संवैधानिक प्रावधानों की व्याख्या की और स्थापित किया कि भारत के चीफ जस्टिस, चार सीनियर जजों के साथ मिलकर एक कॉलेजियम का गठन करेंगे, जो सुप्रीम कोर्ट में नियुक्तियों की सिफारिश करने के लिए जिम्मेदार होगा।

लघुकथा

अधिकार

प्रीति अग्रवाल 'अनुजा'

रश्मि अपनी दो बरस की बिटिया को अपने से चिपका कर, नजरें झुकाए, ऐसे सिमट कर बैठी थी मानो कोई अपराध कर के आई हो, जबकि उसी सूजी हुई आँखें और बाँहों पर नील के निशान कुछ और ही कहानी सुना रहे थे . . . बाबा जमीन पर ऊकड़ूँ बैठे अपनी पगड़ी हाथ में ले, विलाप कर रहे थे, "हे भगवान, अब क्या होगा? अभी तीन बरस पहले ही तो जैसे-तैसे सिर से बोझ उतारा था . . ." भैया भी गुस्से में चक्कर काटते बुड़बुड़ा रहे थे, "ऐसे कैसे घर से निकाल देंगें . . . वही तेरा घर है, अब तू उनकी जिम्मेदारी है . . . मैं जाकर उनसे बात करूँगा . . ." माँ भी अपना राग आलापने में लगी हुई थी, "अरी तेरे तो भाग ही फूट गए . . .अब क्या होगा तेरा . . .छोरी और गले में बँध गई . . ." ये सब अपने-से लगने वाले लोग जाने कैसी अजीब सी बातें कर रहे थे, रश्मि का दिल बैठा जा रहा था और उसे कुछ समझ नहीं आ रहा था कि वो करे, तो क्या . . . और जाए, तो कहाँ! अब तो बस रह-सह कर भाभी ही बची थी, और वो ठहरी पराई जाई, भला वो क्या समझेगी उसकी पीर . . . रश्मि की आँखों के आगे मायूसी और आशंका के बादल गहराते जा रहे थे . . . तभी कमला भाभी तेज कदमों से कमरे से निकली, रश्मि की गोद से मुन्नी को ले, बड़े प्यार से बोली, "चलो जीजी, अंदर चल के हाथ मुँह धो कर कुछ खा लो . . . कितनी देर से बाहर बरामदे में बैठी हो . . ." अम्मा ने खिसियानी सी आवाज में फिर अपना राग छेड़ा, "अरे, पढ़ाया . . . लिखाया . . . घर के सब काम काज भी सिखाए . . . दहेज भी हैसियत से ज्यादा ही दिया . . . फिर पता नहीं किस बात की कमी रह गई . . ." विमला भाभी बीच में ही टोकते हुए, बड़ी करारी आवाज में बोली, "माँ जी, कमी इस बात की रह गई कि हम अपनी बेटियों को जिम्मेदारियाँ निभानी तो खूब सिखाते हैं, पर उन्हें यह बताना भूल जाते हैं कि उनके कुछ अधिकार भी हैं . . .!"

लोक कथा

अपना हाथ जगन्नाथ

विजय विक्रान्त

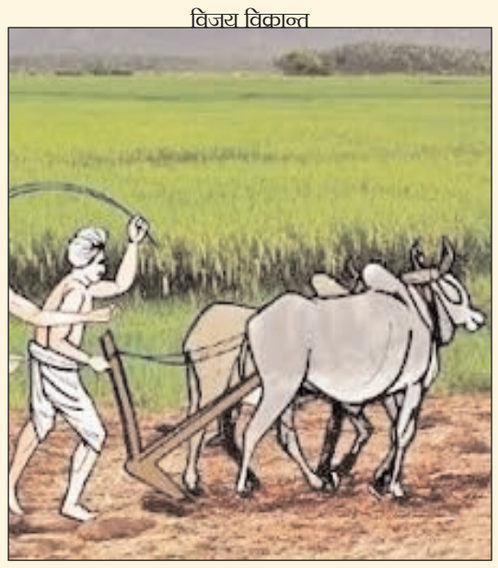

बुलाकी एक बहुत मेहनती किसान था। कड़कती धूप में उसने और उसके परिवार के अन्य सदस्यों ने रात दिन खेतों में काम किया और परिणाम स्वरूप बहुत अच्छी फसल हुई। अपने हरे भरे खेतों को देख कर उसकी छाती खुशी से फूल रही थी क्योंकि फसल काटने का समय आ गया था। इसी बीच उसके खेत में एक चिड़िया ने एक घौंसला बना लिया था। उसके नन्हें मुन्ने चूजे अभी बहुत छोटे थे। एक दिन बुलाकी अपने बेटे मुरारी के साथ खेत पर आया और बोला, "बेटा ऐसा करो कि अपने सभी रिश्तेदारों को निमन्त्रण दो कि वो अगले शनिवार को आकर फसल काटने में हमारी सहायता करें।" ये सुनकर चिड़िया के बच्चे बहुत घबराए और माँ से कहने लगे कि हमारा क्या होगा। अभी तो हमारे पर भी पूरी तरह से उड़ने लायक नहीं हुए हैं। चिड़िया ने कहा, "तुम चिन्ता मत करो। जो इन्सान दूसरे के सहारे रहता है उसकी कोई मदद नहीं करता।"

अगले शनिवार को जब बाप बेटे खेत पर पहुचे तो वहाँ कोई भी रिश्तेदार नहीं पहुँचा था। दोनों को बहुत निराशा हुई बुलाकी ने मुरारी से कहा कि लगता है हमारे रिश्तेदार हमारे से ईर्ष्या करते हैं, इसीलिए नहीं आए। अब तुम सब मित्रों को ऐसा ही निमन्त्रण अगले हफ़्ते के लिए दे दो। चिड़िया और उसके बच्चों की वही कहानी फिर दोहराई गई और चिड़िया ने वही जवाब दिया। अगले हफ़्ते भी जब दोनों बाप बेटे खेत पर पहुचे तो कोई भी मित्र सहायता करने नहीं आया तो बुलाकी ने मुरारी से कहा कि बेटा देखा तुम ने, जो इन्सान दूसरों का सहारा लेकर जीना चहता है उसका यही हाल होता है और उसे सदा निराशा ही मिलती है। अब तुम बाजार जाओ और फसल काटने का सारा सामान ले आओ, कल से इस खेत को हम दोनों मिल कर काटेंगे। चिड़िया ने जब यह सुना तो बच्चों से कहने लगी कि चलो, अब जाने का समय आ गया है - जब इन्सान अपने बाहूबल पर अपना काम स्वयं करने की प्रतिज्ञा कर लेता है तो फिर उसे न किसी के सहारे की जरूरत पड़ती है और न ही उसे कोई रोक सकता है। इसी को कहते हैं बच्चो कि, "अपना हाथ जगन्नाथ।" इस से पहले कि बाप बेटे फसल काटने आएँ, चिड़िया अपने बच्चों को लेकर एक सुरक्षित स्थान पर ले गई।

आइए बयान देते हैं

(व्यंग्य)

संतोष उत्सुक

हर कुछ बयानवीर एकता, एकजुटता, सामूहिक इच्छाशक्ति, सामूहिक प्रतिक्रिया और निरंतर संवाद की वकालत करते हैं। बयान सिर्फ एक बात ही तो होती है। बयान देने वाले या लेने वाले ने व्यवहारिक रूप से कुछ करना थोड़ा होता है।

बयान देने और दिलवाने का जमाना है। कोई ध्यान दे न दे, कोई पढ़े न पढ़े, इतिहास के किसी पन्ने पर तो अंकित हो ही जाता है। फिर कभी जरूरत हो तो कह सकते हैं, हमने तो पहले ही कहा था। एक दूसरे से प्रेरित होकर बयान देने वाले, बयान दागने वाले, बयान की निंदा करने वालों की जमात बढ़ती जा रही है। किसी और के बयान की जोरदार निंदा करते हुए उन्होंने बयान दिया, उनका रवैया बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। अफसोस भी व्यक्त करते हुए कहा, उनका रवैया दोहरा है, हमें भड़काऊ भाषण से बचकर रहना चाहिए। पहले देख लेना चाहिए कि आप बयान देने के लिए अधिकृत हैं या नहीं।

हर कुछ बयानवीर एकता, एकजुटता, सामूहिक इच्छाशक्ति, सामूहिक प्रतिक्रिया और निरंतर संवाद की वकालत करते हैं। बयान सिर्फ एक बात ही तो होती है। बयान देने वाले या लेने वाले ने व्यवहारिक रूप से कुछ करना थोड़ा होता है। अपने गिरेबान में नहीं दूसरों के गिरेबान में झांकना ही तो होता है। बयान में यह खुली स्वतंत्रता होती है कि स्वर्ग या नरक, पता नहीं कहां गए या जीवित व्यक्ति, शासक, राजा पर टिप्पणी करते हुए ईंट, पत्थर, रोड़ों को भी नहीं बख्शना । बयान देने के फायदे बहुत हैं और अगर बयान की वीडियो भी जारी कर वायरल करवा दी गई है तो वारे न्यारे हैं। बयान, असामाजिक, अधार्मिक, अजिम्मेदाराना और अनैतिक है तो महावारेन्यारे हो सकते हैं। राजनीति में हैं तो नायक बन सकते हैं। राजनीति में नहीं हैं तो व्यावसायिक राजनीतिक पार्टियां, चाय पर नहीं सीधे खाने और खिलाने पर बुला सकती हैं। फिर बयान के वस्त्र और जूते बदलवाकर, बाल कटवाकर पुन जारी करती हैं।

कितनी बार ऐसा होता है कि बयान इतनी ऊंचे या गहरे स्त्रोत से आता है कि उसके कितने ही अर्थ और अनर्थ निकाले जाते हैं। उसका असली अर्थ किसी को समझ नहीं आता। फिर कहा जाता है कि बयान को तोड़ मोड़कर पेश किया गया। शब्दों का वो अर्थ नहीं लिया गया जो लिया जाना चाहिए था।

बयान देने वालों को यह सुविधा रहती है कि कुछ दिन तक हलचल कर, शोरशराबा मचाकर बयान वापिस भी ले लो। बयान तो वही बढ़िया माना जाता है जिसे उचित समय पर वापिस लिया जा सके। कई बार ऐसा होता है कि उच्चकोटि का आदमी बयान वापिस लेने के लिए कहता है और बयान लेने वाला उसके कहने से मान जाता है। बयान वापिस लेते हुए, कहने वाले का सन्दर्भ भी सार्वजनिक कर देता है। इससे बयान की थोड़ी बहुत प्रसिद्धि और बढ़ जाती है। उस बयान को, ज्यादा जोर और शोर से पढ़ा, सुना और वायरल किया जाता है जिसे वापिस लेने के लिए शक्तिवान व्यक्ति को भी बयान देना पड़ा। बयान देना पुराने जमाने जैसी परम्परा, जबान देने जैसा तो होता नहीं कि मुकर जाओ तो फजीहत हो जाएगी। अब तो ऊपर से नीचे तक सब बेशर्म जबान वाले हैं इसलिए बयान देने से क्या डरना और क्या मुकरना। इसलिए जब चाहो फिसलती जबान से कह दिया जाता है, आइए बयान देते हैं।

डाटा मैनेजर को धमकाने के लिए पहुंची ठग महिला

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। सीएमओ कार्यालय में तैनात डाटा मैनेजर के द्वारा दर्ज कराए गए मुकदमा का प्रभावित करके गबाहों और डाटा मैनेजर पर दबाव बनाने के लिए ब्लैकमेलिंग करके 48 लाख रुपए ठगने वाली महिला अपने एक साथी के मदद से उनके ऑफिस पहुंच गई, वहां पर महिला ने गाली गलौच करते हुए मुकदमा के गबाहो पर भी दबाव बनाया, इसका मुकदमा उन्होने महिला और उसके साथी के खिलाफ कोतवाली में दर्ज कराया, यह महिला साजिश के तहत डाटा मैनेजर को अपने घर बुलाकर अपने पति की मदद से उनकी अश्लील वीडियो बनाकर हनीट्रैप के जरिए 48 लाख रुपए ठग चुकी है। जिसका मुकदमा डाटा मैनेजर ने महिला और उसके पति के खिलाफ ब्लैकमेलिंग और हनीट्रैप की धाराओं में कोतवाली में दर्ज कराया हुआ है। इस मुकदमा को प्रभावित करने की महिला द्वारा लगातार कोशिश की जा रहीं है।

कोतवाली सदर क्षेत्र स्थित मोहल्ला सियारामपुरम कांलोनी निवासी अम्बरीश कुमार यादव पुत्र रमेश चंद्र यादव सीएमओ ऑफिस में डाटा मैनेजर के पद पर कार्यरत है। बीते 2 जून को बरनाहल थाना क्षेत्र के गांव मुरादपुर व हाल मोहल्ला खरगजीत नगर थाना कोतवाली सदर निवासी अर्चना यादव पत्नी सुशील यादव अपने अन्य साथियों के साथ डाटा मैनेजर के ऑफिस में पहुंच गई, उनके द्वारा महिला और उसके पति के खिलाफ दर्ज कराए गए मुकदमा को प्रभावित करने के उद्देश्य से गबाहों पर दबाव बनाने के लिए गाली गलौच करते हुए जान से मारने की धमकी दी, इसकी सूचना डाटा मैनेजर ने पुलिस को देने के बाद कोतवाली में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया है।

पति की आउटसोर्स में नौकरी लगवाने में किया था सहयोग

15 जनवरी 2016 को डाटा मैनेजर अम्बरीश यादव के ऑफिस में अनिल कुमार सिंह स्टेनो/कनिष्ठ लिपिक अपने साथ अर्चना यादव को लेकर आए, और अम्बरीश से कहा कि अर्चना या इनके पति की संविदा/आउटसोर्स के आधार पर नौकरी लगवाने को कहा, जिसके बाद आउटसोर्स के आधार पर डाटा मैनेजर ने जिला अस्पताल में हॉस्पिटल अटेन्डेन्ट के पद पर अर्चना यादव के पति सुशील यादव की नौकरी लगवा दी, जिसके बाद अर्चना के परिवार और डाटा मैनेजर के परिवार के बीच काफी नजदीकी बढ़ गई।

साजिशन अश्लील वीडियो बनाकर हनीट्रैप के जरिए ठग लिए है 48 लाख रुपए

क्या है पुराना मामला, जिसका दर्ज हुआ था मुकदमा

दोनो के परिवार के बीच नजदीकी बढ़ने के बाद 12 अप्रैल 2022 को सुशील यादव डाटा मैनेजर अम्बरीश यादव को अपने आवास मोहल्ला खरगजीत नगर में ले गया, जहां पर एक साजिश के तहत सुशील की पत्नी अर्चना ने कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर अम्बरीश को पिला दिया और उनकी अश्लील कृत्य करते हुए वीडियो बनाकर हनीट्रैप के जरिए अपना दुष्कर्म करने की बात कहते हुए वीडियो वायरल करने की धमकी देकर धीरे धीरे कर-के 48 लाख रुपए ठग लिए। इसका मुकदमा अम्बरीश ने पिछले साल दिसंबर माह में दर्ज कराया है। इसी मुकदमे में दबाव बनाने के प्रयास अर्चना द्वारा किए जा रहे है।

पेड़ पर फांसी के फन्दे पर लटका मिला मजदूर का शव

परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप, पुलिस मामले की जांच में जुटी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

बेवर/मैनपुरी। थाना क्षेत्र के गांव सकत में शनिवार की सुबह मक्का के खेत में एक 32 वर्षीय मजदूर बलवंत का शव कंज के पेड़ पर अंगौछे के फंदे से लटका मिला। गांव में उसका दो दिन पहले झगड़ा हुआ था। परिजन उन्हीं लोगों पर हत्या का आरोप लगा रहे हैं। वहीं, पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

थाना क्षेत्र के गांव सकत निवासी बलवंत पुत्र हीरालाल शुक्रवार दोपहर से घर से लापता था और परिजन के काफी तलाश करने के बावजूद उसका कोई पता नहीं चल सका था। शनिवार सुबह ग्रामीणों ने उसका शव पेड़ से लटका देखा और परिजन व पुलिस को सूचित किया। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस को परिजन ने बताया कि बलवंत के पैर जमीन से छू रहे थे और उसके शरीर पर कुछ चोटों के निशान भी थे, जिससे उन्हें आशंका है कि उसकी हत्या कर शव को पेड़ पर लटकाया गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा, ताकि मौत की सही वजह का पता चल सके। सीओ भोगांव सत्यप्रकाश शर्मा ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा और तहरीर व रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया गया है। पुलिस को ग्रामीणों से जानकारी मिली है कि बलवंत पांच भाई थे, जिनमें से एक ने फंदा लगाकर, दूसरे ने जहर खाकर और तीसरे ने खुद को आग लगाकर जान दे दी थी। दो महीने पहले ही बलवंत के एक भतीजे ने भी जहर खाकर आत्महत्या कर ली थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि बलवंत की हत्या की गई है या उसने भी आत्महत्या की है।

वृद्ध पिता और परिवार का सहारा था बलवंत

मृतक बलवंत अपनी पत्नी जय देवी, 6 वर्षीय बेटे रीतेश, 4 वर्षीय बेटी भूमि, 3 वर्षीय बेटे रोहन और 80 वर्षीय वृद्ध पिता हीरालाल का एकमात्र सहारा था। वह भूमिहीन था और मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता था। उसकी असमय मौत से परिवार के सामने अब भरण-पोषण का संकट खड़ा हो गया है।

छोटी खबरें

सुशासन की भाजपा की पहचान बनीं

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कुसमरा/मैनपुरी। नगर पचायत सभागार मे भाजपा सरकार के 11 बर्ष पूर्ण होने पर गोष्ठी का आयोजन हुआ। गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए भाजपा जिला महामंत्री प्रदीप तिवारी ने कहा कि मोदी सरकार के 11 बर्षो के कार्यकाल मे देश उन्नति और प्रगति की ओर अग्रसर हुआ। सुशासन ही भाजपा की पहचान बनी है निचले स्तर से ऊपर तक विकास की धारा समान रुप से वहायी गयी है चेयरमैन प्रतिनिधि विनयप्रताप सिह ने कहा कि भाजपा सरकार के 11 बर्ष ऐतिहासिक रहे है हर वर्ग का सम्मान विकास बिना भेदभाव के हो रहा है गोष्ठी मे मण्डल अध्यक्ष विनोद चतुवेर्दी, विनय शुक्ला, मदन मोहन मिश्रा, अभयप्रताप सिह, प्रान्जुल शुक्ला, सुमित दीक्षित, शिवम शर्मा, आदित्य सिह आदि उपस्थित रहे।

कार की टक्कर से महिला अभ्यर्थी गंभीर घायल

जिला अस्पताल में महिला का चल रहा उपचार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

भोगांव/मैनपुरी। पुलिस भर्ती का नियुक्ति पत्र लेने जा रही महिला को कार ने टक्कर मार दी, जिससे महिला गम्भीर रूप से घायल हो गई जिसें गम्भीर हालत मे जिला चिकित्सालय मे भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी होने पर अपर पुलिस अधीक्षक एंव पुलिस क्षेत्राधिकारी ने घटना स्थल पर पहुचंकर घटना की जानकरी जुटाई। ज्ञात हो कि पुलिस भर्ती में चयनित हुये आरक्षियो को पुलिस लाइन से नियक्ति पत्र दिलवाने के लिये उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बसो को अनुबन्धिक किया गया था। जनपद बुलन्दशहर के थाना गुलावटी क्षेत्र के औरंगाबाद अहीर निवासी आंकांक्षा पुत्री धर्मेन्द्र का पुलिस भर्ती में सिपाही के पद पर चयन हुआ था शनिवार को परिवहन निगम की बस से चयनित अभ्यर्थी लखनऊ जा रहे थे नगर के जीटी रोड पर स्थित सिटीजन ढावा पर खाना खाने के लिये जैसे ही बस रूकी बैसी ही बेवर की तरफ से आ रही अर्टिका कार ने आकांक्षा को जोरदार टक्कर मार दी जिससे आाकांक्षा गम्भीर रूप से घायल हो गई। लोगो ने आनन फानन में महिला आरक्षी को उपचार हेतु भोगांव मैनपुरी मार्ग पर स्थित स्थानीय चिकित्सालय मे ले गये जहां चिकित्साधीक्षक डा0 मोहित चतुवेर्दी ने प्राथमिक उपचार के बाद महिला आरक्षी को मैनपुरी रैफर कर दिया। घटना की जानकारी पुलिस को होने पर अपर पुलिस अधीक्षक, पुलिस क्षेत्राधिकारी सत्यप्रकाश शर्मा, थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार पाण्डेय ने मौके पर पहुचंकर घटना की जानकारी जुटाई।

सरकार की योजनाएं गरीबों के लिए बरदान साबित

मोर्निंग सिटी संवाददाता

भोगांव/मैनपुरी। भाजपा की केन्द्र सरकार एंव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 11 साल पूरे होने पर भाजपा द्वारा मनाये जा रहे अमृत काल सेवा कार्यक्रम के तहत शनिवार को नगर के भाजपा कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप मे विधायक रामनरेश अग्निहोत्री ने प्रधानमंत्री द्वारा चलाये जा रही जनकल्याणकारी योजनाओ की प्रशंसा करते हुये कहा कि गरीबो के उत्थान के लिये चलाई गयी योजनाये गरीबो के लिये वरदान साबित हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 11 बर्ष के अमृत काल मे देश एंव प्रदेश मे जो विकास कराया गया है तथा विश्व मे भारती की अलग पहचान बनी है। प्रदेश के मुख्यमंत्री के नेतृत्व मे कानून व्यवस्था, महिलाओ का मान सम्मान सुरक्षित है बह आज तक किसी सरकार मे नही हुआ। इस मौके पर चेयरमैन प्रतिनिधि आशीष तिवारी, पूर्व जिलाध्यक्ष अरविन्द तोमर, प्रदीप राज, कलक्टर सिंह राजपूत, प्रताप राजपूत, सुनील राजपूत, गौरव यादव, रितिक भारद्वाज, भोला लोधी, आशू सक्सेना, सौदान सिंह, संजय शर्मा मीडिया प्रभारी, राजेन्द्र सोनी, मुकेश अग्निहोत्री, अस्तेन्द्र गुप्ता आदि लोग मौजूद थे।

प्रधानपुत्र पर हमला करने पर चार के खिलाफ मुकदमा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। रजनेश यादव पुत्र राधेश्याम यादव पूर्व प्रधान निवासी गोकुलपुर अरसारा ने तहरीर दी है।आरोप है कि उनकी ग्रामसभा के गांव अरसारा निवासी अंबिकेश तिवारी पुत्र रमाशंकर तिवारी ग्राम गोकुलपुर में गोशाला आदि पर हो रहे काम को देखने के लिए पर देख भाल करने के उनके गांव आते जाते हैं। कभी कभी उनके दरबाजे पर भी बैठ जाते हैं। रजनेश ने आरोप लगाया कि अंबिकेश के उनके दरबाजे पर बैठने से उनके गांव के बंटू उर्फ रामशंकर यादव, अतुल पुत्र रामशंकर, सोनी पुत्र राकेश यादव तथा अंकुल पुत्र सोवरन सिह यादव एक राय होकर उनके दरवाजे के सामने बनी पुलिया पर एकत्र होकर लाठी डंडा नाजायज असलाह लेकर अक्सर गाली गलौज करते है। पहले कई बार ऐसी घटना हो चुकी है।उन्होंने आरोप लगाया कि शुक्रवार 13 जून की शाम 6 बजे जैसे ही अम्बिकेश उर्फ मुकेश उनके दरवाजे पर आकर बैठे वैसे ही उपरोक्त लोग एक राय होकर लाठी डंडा नाजायज असलाह लेकर अंबिकेश के साथ हाथापाई करने लगे। उन्होंने व उनके वेटी गुड्डी देवी व प्रदीप पुत्र राजेन्द्र ने आकर बीच बचाव किया तो बंटू यादव डंडा फटकारते हुए कहने लगे की अंबिकेश को तो मार ही देगें। क्योंकि अंबिकेश ने उनके ताऊ के लड़के हरेन्द्र यादव को चुनाव हरवाया है। जब अंबिकेश ने 112 पर सूचना दी और पुलिस मौके पर पहुंची तो उपरोक्त लोग जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गये। आरोप है कि बंटू यादव एक शातिर किस्म का व्यक्ति है वह किसी भी दिन अम्भकेश व उनके पिता रमाशंकर तिवारी की हत्या कर सकता है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं के अंतर्गत मुकद्दमा दर्ज कर लिया है।

जमीनों पर किए जा रहे कब्जों पर डीएम हुए नाराज

थाना समाधान दिवस पर डीएम, एसपी ने सुनी शिकायतें

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। जिलाधिकारी अंजनी कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद शाहा ने आज थाना समाधान दिवस के अवसर पर थाना एलाऊ में जन शिकायतें सुनने के दौरान असंतोष व्यक्त करते हुये कहा कि भूमि पर अनाधिकृत कब्जे की निरतंर शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, दबंगों द्वारा जबरन भूमि पर कब्जे किये जा रहे हैं, राजस्व, पुलिस कर्मियों द्वारा अनाधिकृत कब्जा करने वालों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही नहीं की जा रही है।

थाना एलाऊ में रतनपुर बरा नि. अश्वनी कुमार ने अपने शिकायती प्रार्थना पत्र के माध्यम से बताया कि विपक्षीगणों द्वारा दबंगई से प्रार्थी के गाटा संख्या-953 की पक्की पैमाइश के बाद विपक्षी सुनील कुमार ने मुड्डी उखाड़ कर 02 गट्टा भूमि पर जबरन कब्जा किया है, कुबेरपुर नि. दुर्वेश ने अपने शिकायती प्रार्थना पत्र के माध्यम से बताया कि पट्टाशुदा गाटा संख्या-2911-छ पर रिंकू, धीरेंद्र, राजू, अवनीश, रायसिंह द्वारा गुंडागर्दी के बल पर उक्त गाटा संख्या पर ट्रैक्टर से जोत कर अवैध कब्जा कर लिया गया है, जिस पर उन्होंने मौके पर उपस्थित राजस्व निरीक्षक, थानाध्यक्ष को आदेशित करते हुए कहा कि आज ही थाने से पुलिस, राजस्व की टीम गठित कर मौके पर भेज कर समस्या का निदान करायें यदि किसी के द्वारा पक्की पैमाइश के बाद मुड्डी उखाड़ी गई हो तो उसके विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की जाए, पट्टाशुदा भूमि पर जबरन कब्जा करने वालों के विरूद्ध दंडात्मक कार्यवाही कर भूमि पर पट्टेदार को काबिज कराया जाये। इस दौरान थानाध्यक्ष एलाऊ, राजस्व निरीक्षक, क्षेत्रीय लेखपालों के अलावा प्रभाकर गंगवार आदि उपस्थित रहे।

तप, ज्ञान और वैराग्य से सिद्धार्थ बने भगवान बुद्धः प्रदीप बौद्ध

बौद्ध चरित्र समागम कथा में तीसरे दिन सुनाई भगवान बुद्ध की कथा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आलीपुर खेड़ा/मैनपुरी। क्षेत्र के गांव नगला खंदारी में चल रहे बौद्ध चरित्र समागम कथा में तीसरे दिन बौद्ध कथा वाचक प्रदीप बौद्ध ने कहा कि तप ज्ञान और वैराग्य की साधना से पचीस वर्षीय युवक सिद्धार्थ भगवान बुद्ध बन गए और बौद्ध धर्म की स्थापना कर सभी जीवों पर दया तथा अहिंसा के मार्ग पर चलने के लिए सभी लोगो को प्रेरित किया।

उन्होने कथा में आगे कहा बुद्ध के जीवन चरित्र और आदर्शो तथा उनके बनाए गए मार्गो पर चलने की बात कही। महात्मा बुद्ध ने अहिंसा का पाठ पढ़ाया बौद्ध संघ की स्थापना कर हर वर्ग के लोगो को संघ मे स्थान दिया और सभी धर्मो से अलग अहिंसा परमो धर्म के श्लोग्न का नारा देकर समाज से ऊच नीच का भेद भाव को खत्म करने का संदेश दिया।।

बुद्ध के हृदय में कूट कूटकर भरी थी करुणा- प्रदीप बौद्ध ने कहा कि जीवनकाल की अनेक घटनाएं ऐसी हैं, जिनसे उनके मन में समस्त प्राणीजगत के प्रति निहित कल्याण की भावना तथा प्राणीमात्र के प्रति दयाभाव का साक्षात्कार होता है। उनके हृदय में बाल्यकाल से ही चराचर जगत में विद्यमान प्रत्येक प्राणी में प्रति करूणा कूट-कूटकर भरी थी। मनुष्य हो या कोई जीव-जंतु, किसी का भी दुख उनसे देखा नहीं जाता था।

शिकारी के तीर से हंस को बचाया- एकबार की बात है, जंगल में भ्रमण करते समय उन्हें किसी शिकारी के तीर से घायल एक हंस मिला। उन्होंने उसके शरीर से तीर निकालकर उसे थोड़ा पानी पिलाया। तभी उनका चचेरा भाई देवदत्त वहां आ पहुंचा और कहा कि यह मेरा शिकार है, इसे मुझे सौंप दो। इस पर राजकुमार सिद्धार्थ ने कहा कि इसे मैंने बचाया है जबकि तुम तो इसकी हत्या कर रहे थे, इसलिए तुम्हीं बताओ कि इस पर मारने वाले का अधिकार होना चाहिए या बचाने वाले का। देवदत्त ने सिद्धार्थ की शिकायत उनके पिता राजा शुद्धोधन से की। शुद्धोधन ने सिद्धार्थ से कहा कि तीर तो देवदत्त ने ही चलाया था, इसलिए तुम यह हंस उसे क्यों नहीं दे देते।

बौद्ध कथा के दौरान यह रहे मौजूद

बौद्ध कथा के मौके पर महाराज सिंह लोधी, अनीता शाक्य, रनवीर शाक्य, डॉ अवनीश शाक्य, सुबोध शाक्य, मुकेश, नन्द किशोर बौद्ध, डॉ प्रदीप कुमार, रामानन्द, अरविन्द बौद्ध, सन्तोष बौद्ध, सुधीर शाक्य, रामसेवक शाक्य, वीरेंद्र, मनोज कुमार, कल्पना, सुमन शाक्य, किरन बौद्ध, अनीता शाक्य, डॉ मनीषा राघव, गणेश कश्यप, पंकज शाक्य आदि मौजूद रहे।

सड़क से बाइक हटाने को लेकर हाथापाई, मुकदमा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। ऑगडनाथ बाबा पुत्र जयचन्द्र सिंह निवासी ग्राम घूगलपुर पोस्ट दतावली थाना फ्रेन्ड्स कलोनी जिला इटावा ने तहरीर दी है। आरोप है कि बुधवार की शाम वह इटावा से अपनी कार द्वारा किशनी आ रहा था। जैसे ही वह जटपुरा चौराहा पर पहुंचा, उत्कर्ष यादव पुत्र धर्मेन्द्र यादव निवासी सेन्टमारिया बम्बा थाना फ्रेन्ड्स कलोनी जिला इटावा रोड पर अपनी बाइक को तिरछा करके खड़ा था।

उन्होंने बाइक साइड में करने को कहा तो उत्कर्ष नाराज होकर उनके साथ गाली गलौज और हाथापाई करने लगस। भीड़ को आता देख उत्कर्ष जान से मारने की धमकी देकर भाग गया।आरोप है कि उक्त आरोपी पहले भी उनके साथ गाली गलौज वाद विवाद कर चुका है। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

आज अभ्यर्थियों को लेकर 17 बसें लखनऊ जाएगी

यात्रियों को उठानी पड़ सकती हैं परेशानी, सभी बसें पुलिस लाइन भेजी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। पुलिस आरक्षी पद पर चयनित जिले के 762 अभ्यर्थी मैनपुरी डिपो की 17 रोडवेज बसों से रविवार सुबह 4 बजे लखनऊ के लिए निकलेंगे। शनिवार को रोडवेज बसों को पुलिस लाइन में खड़ा कराया गया है। सभी बसों को अलग से नंबर और अभ्यार्थियों की सूची दी गई है।

ज्ञात हो कि मैनपुरी डिपो के बेड़े में 82 बसें हैं। जिनका संचालन नियमित रूप से विभिन्न मार्गों पर किया जा रहा है। कुछ माह पहले उत्तर प्रदेश पुलिस महकमे में आरक्षियों की भर्ती की गई थी। इसमें जनपद के 602 पुरुष और 190 महिला आरक्षियों का चयन हुआ था। 15 जून को लखनऊ में मुख्यमंत्री चयनित आरक्षियों को नियुक्ति पत्र प्रदान करेंगे। जिसके लिए सभी अभ्यर्थी लखनऊ के लिए रवाना होंगे।

स्टेशन प्रभारी अनुज दुबे ने बताया कि पुलिस भर्ती में जनपद के चयनित आरक्षियों को लखनऊ ले जाने के लिए डिपो की 17 बसों को लगाया जाएगा। जबकि एक बस को रिजर्व रखा गया है। शनिवार को सभी 18 बसें पुलिस लाइन परिसर में खड़ी करा दी गई हैं। सुबह 4 बजे चालक-परिचालक चयनित आरक्षियों को लेकर लखनऊ रवाना होंगे।

संसार का नाश होने पर भी परमात्मा का नाश नहीं होता

श्रीमद् भागवत कथा में चौथे दिन सुनाई कृष्ण लीलाओं की कथा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/बिछवां। विकास खंड मैनपुरी के गांव नारायणपुर स्थित नारायनधाम परिसर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा में चौथे दिन कथा वाचक अतुल कृष्ण द्विवेदी महाराज ने भगवान कृष्ण के जन्म एवं लीलाओं की कथा सुनाकर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया।

अतुल कृष्ण द्विवेदी महाराज ने कहा कि परमात्मा ही परम सत्य है। जब हमारी वृत्ति परमात्मा में लगेगी तो संसार गायब हो जाएगा। प्रश्न यह है कि परमात्मा संसार में घुले-मिले हैं तो संसार का नाश होने पर भी परमात्मा का नाश क्यों नहीं होता। इसका उत्तर यही है कि भगवान संसार से जुड़े भी हैं और अलग भी हैं। आकाश में बादल रहता है। और बादल के अंदर भी आकाश तत्व है। बादल के गायब होने पर भी आकाश गायब नहीं होता। इसी तरह संसार गायब होने पर भी परमात्मा गायब नहीं होते। संसार की कोई भी वस्तु भगवान से अलग नहीं है। कथा वाचक ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने गोपियों के घरों से माखन चोरी की। इस घटना के पीछे भी आध्यात्मिक रहस्य है। दूध का सार तत्व माखन है। उन्होंने गोपियों के घर से केवल माखन चुराया अर्थात सार तत्व को ग्रहण किया और असार को छोड़ दिया। उन्होने आगे कहा कि प्रभु हमें समझाना चाहते हैं कि सृष्टि का सार तत्व परमात्मा है। इसलिए असार यानी संसार के नश्वर भोग पदार्थों की प्राप्ति में अपने समय, साधन और सामर्थ को अपव्यय करने की जगह हमें अपने अंदर स्थित परमात्मा को प्राप्त करने का लक्ष्य रखना चाहिए। इसी से जीवन का कल्याण संभव है। कथा भागवत के मौके पर परीक्षत महेश चंद्र पांडेय, मुन्नी देवी, प्रदीप पांडेय, प्रभात पांडेय, शोभित पांडेय, डॉ. कुलदीप पांडेय, सौरभ दीक्षित, प्रवेश, राहुल, रंजीत, संदीप, असल, श्याम, अंकित, पुनीत, विकास, विशाल, अंकित, केशव, अनुराग, विष्णु ओम, सुमित, अनुज पांडेय, राजा गोविंदा चुलबुल, चंदन, शंकर, संतोष पांडेय आदि मौजूद रहे।

दान किया गया ब्लड बचा सकता है किसी की जान

डीएम ने जिला अस्पताल में किया रक्तदान शिविर का शुभारंभ

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय में आयोजित रक्तदान शिविर का शुभारम्भ करते हुये जिलाधिकारी अंजनी कुमार सिंह ने कहा कि शिविर में जिन लोगों ने रक्तदान किया है, यह रक्त किसी को नया जीवन देने में सहायक सिद्ध होगा, खून की कमी के कारण बड़ी संख्या में लोग दम तोड़ देते हैं, आप द्वारा दान किया गया खून तमाम लोगों का जीवन बचाने में अहम भूमिका निभाएगा।

डीएम ने कहा कि जनपद में रक्तदाताओं की कमी नहीं हैं, कई रक्तदाताओं ने अनेकों बार रक्तदान कर जनपद में ही नहीं बल्कि प्रदेश में नाम रोशन किया है, जो गौरव की बात है। उन्होने कहा कि चिकित्सक बेहतर उपचार देकर लोगों का जीवन बचा सकते हैं, लेकिन रक्तदान करने वाला व्यक्ति किसी का जीवन बचाने में अपना योगदान दे सकता है।

उन्होने कहा कि मानव सेवा से बड़ा संसार में कोई कर्म नहीं है, स्वेच्छा से रक्तदान करने वाले व्यक्ति अपने जीवन में दान किये गये रक्त से कितने लोगों को नयी जिन्दगी देते हैं, इसकी जानकारी रक्तदाता को भी नहीं होती लेकिन वह मानवहित में निरतंर अपना सहयोग देते रहते हैं, ऐसे लोगों से हमें प्रेरणा लेकर मानव कल्याण के लिए कार्य करना होगा। इस दौरान पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद शाहा, मुख्य चिकित्साधिकारी डा. आर.सी. गुप्ता, मुख्य चिकित्साधीक्षक डॉ. मदनलाल, ब्लड बैंक अधिकारी डा. विकास यादव, डा. शिखा अग्रवाल, अजय, लैब टैक्नीशियन सौरभ चौहान, रतनेश यादव के अलावा रक्तदाता आदि उपस्थित रहे।

लिंक एक्सप्रेस-वे के लिए भूमि अधिग्रहण से पहले बढ़ेगा सर्किल रेट

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। जनपद से गुजरने वाले लिंक एक्सप्रेस-वे व अन्य सरकारी परियोजनाओं के लिए प्रशासन जमीन लेने से पहले सर्किल रेट बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। यह सर्किल रेट उन इलाकों में बढ़ाए जाएंगे, जहां पिछली दफा बढ़ोतरी नहीं की गई थी। सर्वे के बाद सर्किल रेट जारी करते हुए आपत्तियां आमंत्रित की जाएगी। आपत्ति निस्तारण के बाद दरों को प्रभावी किया जाएगा।

ज्ञात हो कि लिंक एक्सप्रेस-वे के निर्माण के लिए प्रशासन किसानों से मुआवजा देकर जमीन लेने की तैयारी कर रहा है। मगर, कई गांव के किसान जमीन देने को तैयार नहीं हैं। उनका कहना है कि इस वर्ष बढ़ाए गए सर्किल रेट में उनके गांव का नाम शामिल नहीं है। इसे डीएम अंजनी कुमार सिंह ने सही पाते हुए फैसला लिया है कि जिन-जिन गांव में जमीनों के सर्किल रेट नहीं बढ़े हैं, उनका सर्वे कराया जाएगा। न सिर्फ लिंक एक्सप्रेस-वे बल्कि अन्य सरकारी परियोजनाएं के लिए ली जाने वाली जमीन का सर्वे कर सर्किल रेट बढ़ाए जाएंगे। उसके बाद ही नई सर्किल दरों के हिसाब से मुआवजा देकर किसानों से आपसी समझौते के तहत जमीन ली जाएगी।

एक सप्ताह में पूरा होगा सत्यापन- लिंक एक्सप्रेस-वे के लिए तहसील भोगांव क्षेत्र के 11 गांवों के 450 से ज्यादा किसानों की जमीन अधिग्रहण की जाएगी। लेखपालों को एक सप्ताह में गाटा सत्यापन का काम पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। सत्यापन के बाद पूरी रिपोर्ट यूपीडा को भेजी जाएगी। निमार्णाधीन गंगा एक्सप्रेसवे को आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए 92 किमी लंबे लिंक एक्सप्रेस-वे के निर्माण में भोगांव तहसील क्षेत्र के 11 गांवों की जमीन प्रभावित होगी। 450 से ज्यादा किसानों की जमीन एक्सप्रेस-वे के दायरे में आएगी।

एचटी लाईन टूटनें से फैली दहशत, टला हादसा

- सभासदों सहित नागरिकों ने लाईन हटवानें के लिये एडीएम को सौंपा ज्ञापन

मोर्निंग सिटी

गुरसहायगंज, कन्नौज। नगर के मोहल्ला सीमांत नगर में घरों के ऊपर से निकली हाई टेंशन लाईन शुक्रवार की रात करीब 11:30 बजे एक बार फिर टूट कर गिर गई। जिससे इरशाद और राजा के घरों के बिजली के उपकरण जलकर राख हो गए। तेज धमाके के साथ टूटे तार की वजह से लोगों में दहशत फैल गई। कई घंटे तक लोगों ने टूटे तार को जोड़ने नहीं दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझा-बुझाकर तार को जुड़वाया।

बताते चलें कि नगर के मोहल्ला सीमांत नगर में कई घरों के ऊपर से हाई टेंशन लाइन निकली हुई है। जो कि जर्जर होने के कारण अक्सर टूट कर गिर जाती है। जिससे कई हादसा हो चुके हैं। पिछ्ले वर्ष 18 सितंबर को हाई टेंशन लाइन टूट कर गिरने से करीब 40 लोग झुलस गए थे। कई दिन तक चले घमासान के बाद बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने छह महीने में तार हटाने का आश्वासन देकर लोगों को शांत किया था लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। उधर सुनवाई न होने से नाराज मोहल्ले की सभासद महरूनिंशा, हमीदनगर सभासद प्रतिनिधि धर्मेंद्र गुप्ता उर्फ बडे, साहिल, दानिश, अब्दुल्ला सहित तमाम नागरिक जिलाधिकारी को ज्ञापन देने कलेक्टेज्ट पहुंचे लेकिन उनके न मिलने पर एडीएम आशीष कुमार सिंह को ज्ञापन देकर घरों के ऊपर से निकले हाई टेंशन लाइन के तार को हटाए जाने की मांग की है।

फोटो परिचय 14जीयूआर01-डीएम को ज्ञापन सौपनें जाते सभासद व नागरिक।

सांगवान सिटी में हुआ वृक्षारोपण कार्यक्रम

मोर्निंग सिटी

अलीगढ़ । शनिवार को भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष चौधरी ऋषिपाल सिंह के नेतृत्व में सांगवान सिटी अलीगढ़ में वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया। इस कार्यक्रम में डीएफओ अलीगढ़ आरएफओ एवं उनका स्टाफ व सांगवान ग्रुप के एमडी नरेंद्र सांगवान और सांगवान सिटी का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा । वृक्षारोपण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जलवायु में हो रहे असामयिक परिवर्तन और ज्यादा से ज्यादा जनता को पेड़ लगाने के प्रति जागरूक करना था । सांगवान ग्रुप के एमडी नरेंद्र सांगवान ने बताया कि सभी को मिलकर ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने चाहिए जिससे कि आने वाले समय में हमारी पीढ़ियों को स्वच्छ हवा एवं स्वास्थ्य मिल सके। नरेंद्र सांगवान ,सांगवान ग्रुप एमडी ने सभी से अनुरोध किया की कम से कम दो पेड़ अपने जीवन काल में जरूर लगाए, जिससे कि आने वाली नस्लों को स्वस्थ जीवन एवं स्वच्छ हवा के लिए परेशान ना होना पड़े।

बीड़ी श्रमिक चिकित्सालय के बाहर भरा गंदा पानी, बढी मुसीबतें

- मरीजों व चिकित्सकों को हो रही दिक्कत, पालिका में शिकायत के बावजूद भी नहीं मिली निजात

मोर्निंग सिटी

गुरसहायगंज, कन्नौज। नगर के मोहल्ला गोपाल नगर स्थित बीड़ी श्रमिक चिकित्सालय के सामने नाली का पानी भर जाने से मरीजों व चिकित्सकों को काफी परेशानियों को सामना करना पड़ रहा है। जिसके संबन्ध में चिकित्सक द्वारा पालिका में लिखित शिकायत देने के बाबजूद अभी तक कोई कार्यवाही नही की गई है।

शनिवार को बीडी श्रमिक चिकित्सालय के चिकित्सक डा. अजय कुमार आर्या ने बताया कि बीड़ी श्रमिक चिकित्सालय से सटी हुई सडक के दूसरी ओर विगत माह पूर्व पालिका द्वारा नई गली का निर्माण कार्य करवाया गया था। जिसकी नाली अस्पताल से सटी हुई सडक तक बना दी गई। जिसके कारण घरों का गंदा पानी सडक से बहकर बीड़ी श्रमिक चिकित्सालय के सामनें एकत्र हो रहा है। जिससे मरीजों सहित चिकित्सकों को कठिनाईयों का सामना करना पड रहा है।

बताया कि उनके द्वारा जलभराव की समस्या के संबन्ध में कई बार नगर पालिका परिषद को लिखित प्रार्थना पत्र देकर समस्या से अवगत कराया गया। लेकिन अभी तक जल भराव की समस्या से निजात नहीं मिली है। उन्होनें पालिका प्रशासन से जल भराव की समस्या से निजात दिलाये जाने की मांग की है।

फोटो परिचय 14जीयूआर03-जल भराव की जानकारी देते डा. अजय आर्या।

छोटी खबरें

किशोरी को भगा ले जाने के बाद शोषण कर रास्ते में उतारा

मोर्निंग सिटी

गुरसहायगंज, कन्नौज। नगर निवासी पीड़ित पिता द्वारा सदर क्षेत्राधिकारी को दी गई तहरीर में कहा गया है कि विगत 05 जून की सुबह वह भिक्षा मांगने गया था। इसी दौरान उसकी 16 वर्षीय पुत्री को इंदिरा नगर निवासी युवक बहला फुसलाकर जेवरात व नगदी सहित एक अन्य युवती के सहयोग से भगा ले गया था। विगत 06 जून को मामले की सूचना उसके द्वारा कोतवाली पुलिस को दी गई थी। जिस पर कोई कार्रवाई न होने पर उसने 08 जून को सीओ सदर के कार्यालय पहुंचा था जहां कार्रवाई का आश्वासन दिया गया था। लेकिन थाने पर कोई सुनवाई नहीं की गई। दिनांक 09 जून को उपरोक्त युवक ने उसकी पुत्री को दिल्ली से लाकर गंजडुंडवारा में ट्रेन से उतार कर छोड़ दिया था। किसी के फोन द्वारा उसकी पुत्री ने अपनी बड़ी बहन को सूचना दी तो उन्होंने गंजडुंडवारा पहुंचकर अपनी पुत्री को साथ ले आया। बताया कि उसकी पुत्री के शरीर पर बहुत सारी चोटों के निशान हैं। उसकी पुत्री ने बताया कि उक्त युवक ने मारपीट कर उसके साथ प्रतिदिन गंदा काम किया है। जब वह अपनी पुत्री को लेकर थाने पर पहुंचा तो उसे कार्यवाही का आश्वासन देकर चलता कर दिया गया। शनिवार को सीओ सदर के आदेश पर कोतवाली पुलिस द्वारा किशोरी का चिकित्सीय परीक्षण कराया गया। समाचार लिखे जाने तक मामले के संबंध में मुकदमा दर्ज नहीं हो सका था।

युवक को मारपीट कर दी धमकी

मोर्निंग सिटी

गुरसहायगंज, कन्नौज। क्षेत्र के ग्राम नवादा निवासी जसोदा द्वारा कोतवाली में दर्ज कराए गए मुकदमे में कहा गया है कि विगत 09 जून की रात्रि 10:30 बजे गांव के ही अवधेश पुत्र सोबरन, सुमित पुत्र राजाराम, पूनम पुत्री अवधेश, अवधेश की पत्नी ने दरवाजे पर आकर रंजिश के चलते गाली गलौज करने लगे। उसके पुत्र द्वारा विरोध करने पर उक्तगणों ने लात घूसो से मारपीट कर घायल कर दिया। तथा जान से मारने की धमकी दी। घटना के संबंध में कोतवाली पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज का जांच शुरू कर दी गई है।

सपा संस्थापक के निधन पर सपाध्यक्ष ने शोक संवदना व्यक्त की

मोर्निंग सिटी

गुरसहायगंज, कन्नौज। समाजवादी पार्टी के संस्थापक सदस्य एवं पूर्व सांसद छोटे सिंह यादव के निधन पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव सहित सपा के कई दिग्गज नेताओं ने उनके आवास पर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त करने के उपरान्त कहा कि उनके निधन से पार्टी को अपूर्णनीय क्षति पहुंची है, जिसकी भरपाई संभव नही है। शनिवार को लखनऊ जाते समय फरुर्खाबाद समाजवादी पार्टी के पूर्व प्रत्याशी डॉ. नवल किशोर शाक्य नें राम आश्रम स्थित आरएस गेस्ट हाउस रामाश्रम में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता प्रसून यादव, भूमित्र यादव, रीतू यादव, इंद्रेश यादव, एडवोकेट अरुण यादव के साथ शिष्टाचार भेंट कर पार्टी की मजबूती के संबन्ध में चर्चा करनें के उपरान्त कहा कि सभी समाजवादी साथी आगामी विधानसभा चुनाव की सफलता के लिये जीजान से जुटकर बूथ स्तर पर पार्टी को मजबूती प्रदान करें। इस दौरान कुलदीप, पंकज, शिवकुमार, राजकुमार, टीटू आदि मौजूद रहे। फोटो परिचय 14जीयूआर05- कार्यकताओं से वार्ता करते सपा पूर्व प्रत्याशी डॉ. नवल किशोर शाक्य।

समाधान दिवस में आयीं आठ शिकायतें, नही हो सका निस्तारण

- राजस्व कर्मी पुलिस कर्मियों की मदद से समस्याओं को निस्तारित करें-एएसपी

मोर्निंग सिटी

गुरसहायगंज, कन्नौज। स्थानीय कोतवाली में एएसपी अजय कुमार एवं तहसीलदार छिबरामऊ अवनीश कुमार के नेतृत्व में समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें कुल आठ शिकायतें आईं। जिसमें से किसी भी शिकायत का मौके पर निस्तारण नही हो सका। सभी शिकायतों के निस्तारण के अधीनस्थों को निर्देशित करनें के उपरान्त उन्होनें कहा कि पीडितों की समस्याओं का निष्पक्ष एवं समय बद्ध ढंग से निस्तारण होना चाहिये।

शनिवार को कोतवाली में आयोजित समाधान दिवस में एएसपी अजय कुमार एवं तहसीलदार छिबरामऊ अवनीश कुमार के समक्ष तीन पुलिस व पॉच राजस्व संबन्धित कुल आठ फरियादी अपने अपनें शिकायती पत्र लेकर आये। जिसमें से किसी भी समस्या का मौके पर निस्तारण नही हो सका। मौजूद अधिकारियों ने समस्याओं के निस्तारण के लिये निर्देशित करनें के उपरान्त तहसीलदार अवनीश कुमार नें कहा कि राजस्व अधिकारी शासन की मंशानुसार फरियादियों की समस्याओं का समय रहते निस्तारण करें। एएसपी अजय कुमार नें कहा कि राजस्व कर्मी पुलिस कर्मियों की मदद से फरियादियों की समस्याओं को शीघ्र निस्तारित करें। इस दौरान निरीक्षक चंद्र प्रकाश तिवारी, कानूनगो कौशलेंद्र दुबे, लेखपाल कौशल पाण्डेय, विमल मिश्रा, अतुल प्रताप, राजेश अग्निहोत्री, श्याम दुबे, बृजेश कुमार, अंकित वर्मा, गौरव राजपूत, कुलदीप यादव, रोहित यादव, अभिशाक कटियार आदि मौजूद रहे।

फोटो परिचय 14जीयूआर04-समाधान दिवस पर शिकायत सुनते एएसपी व तहसीलदार।

ईओ के आदेश पर जुटे जलकल कर्मी, घरों तक पहुंचा पानी

मोर्निंग सिटी

गुरसहायगंज, कन्नौज। समाचार पत्र में प्रकाशित खबर भीषण गर्मी पेयजल समस्या को लेकर नागरिकों ने किया ईओ आवास का घेराव का संज्ञान लेते हुए अधिशासी अधिकारी अनिल कुमार के आदेश पर हरकत में आये जलकल विभाग के कर्मियों ने कडी मेहनत कर पेयजल को घरों की टोंटियों तक पहुंचाया। जिससे नागरिकों ने राहत की सांस ली।

शनिवार को पालिकाध्यक्षा मुन्नी देवी गुप्ता एवं अधिसाषी अधिकारी अनिल कुमार के निर्देश पर मोहल्ला विजय नगर में टीम के साथ पहुंचें जलकल प्रभारी जनार्दन मिश्रा द्वारा पानी की समस्या का समाधान कर दिया गया है। वहीं पालिका कार्यालय में अधिसाषी अधिकारी अनिल कुमार नें बताया कि मोहल्ले के कुछ घरों में ऊंचाई की वजह से आपूर्ति बाधित हो रही थी। जिसको सुचारू रूप से चालू कर दिया गया है। मोहल्ले के प्रत्येक घर में पेयजल की आपूर्ति हो रही है। इस दौरान प्रधान लिपिक आरपी सिंह, मनोज तिवारी, राजेश वर्मा, गौरव मिश्रा, अशोक शर्मा, जगदीश सिंह आदि मौजूद रहे।

फोटो परिचय 14जीयूआर02-घर के बाहर पालिका के नल पर पानी भरती बृद्धा।

जिला मलखान सिंह चिकित्सालय में हुआ रक्तदान शिविर का आयोजन

मोर्निंग सिटी

अलीगढ़। जिला अस्पताल मलखान सिंह में आयोजित रक्तदान शिविर में दूर दराज से आए लोगों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। इस शिविर का उद्देश्य आम लोगों की आपातकालीन जरूरतों, जैसे रक्त दान (ट्रांसफ्यूजन) और चिकित्सा उपचार के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना था। रक्तदान को महादान माना जाता है, क्योंकि यह जीवन रक्षक होता है और जरूरतमंद मरीजों की जान बचा सकता है। स्थानीय लोगों की भागीदारी से इस तरह के शिविर रक्त बैंकों में रक्त की कमी को पूरा करने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। रक्तदान करने वाले स्वस्थ व्यक्ति स्वेच्छा से अपना रक्त दान करते हैं, जिसका उपयोग गंभीर बीमारियों, दुर्घटनाओं, या सर्जरी के दौरान मरीजों के लिए किया जाता है। जिला मलखान सिंह चिकित्सालय में लगाए गए रक्तदान शिविर में अन्य व्यक्तियों के अलावा कई पत्रकारिता से जुड़े लोगों ने भी रक्तदान किया।

यूजर चार्ज वसूली में लापरवाही पड़ी भारी

ई-नगर आयुक्त ने कचरा उठाने के लिए कार्यदाई संस्था अर्बन कंपनी को थमाया नोटिस- तीन दिवस में तलब किया जवाब

मोर्निंग सिटी

- डोर-डोर टू कूड़ा कलेक्शन कार्य मे कम यूजर चार्ज एवं डोर-डोर व्यवस्था में सुधार न होने पर नगर आयुक्त ने लिया सख़्त एक्शन
- सफाई व्यवस्था में लापरवाही पर नगर आयुक्त आए एक्शन मोड में- सफाई व्यवस्था और घर-घर से कूड़ा उठाने की व्यवस्था में लापरवाही किसी भी दशा में नहीं की जाएगी बर्दाश्त-नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा

अलीगढ़। नगरीय क्षेत्र के 90 पार्षद वार्डों में घर-घर से कूड़ा उठाने का काम अर्बन एनवायरोटेक कंपनी द्वारा किया जा रहा है कंपनी द्वारा घर-घर से कूड़ा उठाने के सापेक्ष यूजर चार्ज की कम वसूली कंपनी को भारी पड़ गई है। पिछले दिनों कंपनी द्वारा घर-घर से कूड़ा उठाये जाने का बिल भुगतान हेतु नगर आयुक्त के समक्ष प्रस्तुत किया गया था जिस पर नगर आयुक्त ने घर-घर से कूड़ा उठाने के एवज में यूज 'चार्ज की कम वसूली पर नाराजगी जताई और तत्काल अर्बन कंपनी को नोटिस देने के निर्देश दिए।

नगर आयुक्त ने बताया कि फर्म मै०अर्बन इनवाईरोटेक सर्विसेज प्रा० लि० द्वारा डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन कार्य के सम्बन्ध में यूजर चार्ज की वसूली में अगस्त 2024 से कोई सुधार नहीं होने, यूजर चार्जेज में फरवरी 2025 के सापेक्ष लगातार वसूली / यूजर चार्जेज कलेक्शन में गिरावट एवं मा० पार्षदगणों द्वारा अपने-अपने वार्डों में डोर-टू-डोर गाडियों द्वारा संतोषजनक डोर-टू-डोर कूड़ा कलैक्शन कार्य न करने, डोर-टू-डोर व्हीकल्स पर हेल्पर न होना, जिन व्हीकल्स पर हैल्पर होते हुये भी कूड़ा न लेना, व्हीकल्स में बैठे रहना, नागरिकों को डोर-टू-डोर की सुविधा न मिलने के कारण घरों के कूड़ा को सड़कों पर फेंकना, खुली नालियों में फेंकना एवं खाली प्लॉटों में फैकने की लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही ' जिसका संज्ञान लेते हुए कंपनी से जवाब तलब किया गया है। नगर आयुक्त ने बताया कि अर्बन कम्पनी द्वारा डोर टू डोर व्यवस्था ठीक से नहीं की जा रही थी, जिसके कारण क्षेत्र में गंदगी और कचरा जमा हो रहा था। नोटिस में जिसमें उन्हें यूजर चार्ज डोर टू डोर में सुधार करने और निर्धारित मानकों का पालन करने का निर्देश दिया गया है साथ ही अर्बन कम्पनी को यह भी चेतावनी दी गई है कि यदि वे कार्य में सुधार नहीं करते हैं, तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नगर आयुक्त ने कहा शहर की सफाई व्यवस्था से समझौता किसी भी प्रकार का बर्दाश्त नहीं किया जाएगा घर-घर से कूड़ा उठाने की व्यवस्था को प्रभावी बनाना सर्वोच्च प्राथमिकता है जब घर-घर से कचरा उठेगा तभी सड़कों पर कचरा कम दिखेगा यह कदम शहर को स्वच्छ और स्वस्थ बनाए रखने के उनके प्रयासों का हिस्सा है।

जल्द भव्य और आकर्षक रूप लेगा अलीगढ़ का ऐतिहासिक गांधी पार्क- राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जीवन पर आधारित होगा आधुनिक गांधी पार्क

मोर्निंग सिटी

अलीगढ़ । ऐतिहासिक गांधी पार्क आने वाले दिनों में नए रूप में दिखायी देने जा रहा है और जल्द गांधी पार्क की सूरतेहाल भी बदलने जा रही है। नगर निगम ने अलीगढ़ के इस ऐतिहासिक पार्क को महात्मा गांधी के जीवन पर आधारित थीम पर डेवलप कराए जाने के विभागीय प्रक्रिया को बड़ी तेजी से पूर्ण करते हुए संबंधित फर्म मैसर्स आरके एंटरप्राइजेज को कायार्देश निर्गत करते हुए अगले साल 2026 की शुरूआत में इसके निर्माण कार्य को पूर्ण करने का लक्ष्य भी निर्धारित कर दिया है। पिछले दिनों मुख्यमंत्री वैश्विक नगरोदय योजना के अंतर्गत लगभग 4 करोड़ 13 लाख 57 हजार की लागत से गांधी पार्क को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जीवन व उनके पदचिन्हों पर आधारित थीम पर डेवलप करने के प्रस्ताव को शासन को भेजा गया था। प्रोजेक्ट की महत्वता को देखते हुए शासन की स्वीकृति उपरांत निर्माण विभाग ने तेजी से काम करते हुए रिकॉर्ड अवधि में टेंडर प्रक्रिया पूर्ण की और संबंधित एजेंसी मैसर्स आरके एंटरप्राइजेज को तत्काल निर्माण कार्य शुरू कराए जाने के लिए कार्यदेश भी दिया गया अगले 10 से 15 दिनों में अनुबंध होने के उपरांत संबंधित फर्म द्वारा गांधी पार्क में निर्माण काम शुरू कर दिया जाएगा

नगर आयुक्त का वादा

नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया कि अलीगढ़ में ऐतिहासिक गांधी पार्क को मुख्यमंत्री वैश्विक नगरोदय योजना के तहत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जीवन की थीम पर डेवलप किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट की महत्वता को देखते हुए इसको रिकॉर्ड अवधि में पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि आधुनिक स्मार्ट गांधी पार्क में महात्मा गांधी जी की थीम पर आधारित कला कार्य, मूर्तियां, आयोजनों के लिए एम्फीथिएटर, डिजिटल जानकारी स्क्रीन्स, योग का मैदान, खुला जिमनासियम, गजेबोस और किओस्क, पार्क प्रवेश को नवीनीकृत, पानी का फाउंटेन, चलने/दौड़ने के ट्रैक सुख सुविधाओं से लैस बनेगा।

महापौर प्रशांत सिंघल ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में अलीगढ़ में चौमुखी विकास तेजी से हो रहा है। मुख्यमंत्री वैश्विक नगरोदय योजना के तहत गांधी पार्क को आधुनिक और स्मार्ट रूप दिए जाने के प्रस्ताव को शासन द्वारा स्वीकृति प्रदान करने पर मैं हृदय से उत्तर प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त करता हूँ।

आधुनिक गांधी पार्क की विशेषताएं

आधुनिक गांधी पार्क में निम्नलिखित विशेषताएं होंगी:

- महात्मा गांधी जी की थीम पर आधारित कला कार्य और मूर्तियां
- आयोजनों के लिए एम्फीथिएटर
- डिजिटल जानकारी स्क्रीन्स
- योग का मैदान
- खुला जिमनासियम
- गजेबोस और किओस्क
- पार्क प्रवेश को नवीनीकृत
- पानी का फाउंटेन
- चलने/दौड़ने के ट्रैक

निष्कर्ष- अलीगढ़ का ऐतिहासिक गांधी पार्क जल्द ही आधुनिक और स्मार्ट रूप में दिखायी देगा। इस प्रोजेक्ट के पूरा होने से शहरवासियों को एक नया पिकनिक स्पॉट और योग स्थल मिलेगा। नगर आयुक्त और महापौर के प्रयासों से ये प्रोजेक्ट जल्द ही पूरा होगा और शहरवासियों को इसका लाभ मिलेगा।

गीतकार राही को चंदबरदाई गीत ऋषि राजस्थान सम्मान

राजस्थान में गीतकार राही को राष्ट्रीय राजस्थान सम्मान

मोर्निंग सिटी

अलीगढ। साहित्य शिरोमणि शब्द-सम्मान से विभूषित अलीगढ के वरिष्ठ साहित्यकार एवं कवि गीतकार डॉ.अवनीश राही को उनके द्वारा शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में निरन्तर योगदान हेतु हिन्दी के प्रथम महाकवि चंदबरदाई की स्मृति में राजस्थान का बहु-प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार *"चंदबरदाई गीत ऋषि राजस्थान सम्मान"* से नवाजा गया। इसके लिए महाकवि चंदबरदाई की कर्म भूमि राजस्थान की राजधानी जयपुर में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में राजस्थान सरकार के उपमुख्यमंत्री माननीय प्रेमचन्द बैरवा के कर कमलों द्वारा डॉ.राही को यह सम्मान दिया जाना था, किन्तु अहमदाबाद विमान दुर्घटना त्रासदी के कारण डिप्टी सीएम के स्थान पर कनाडा के कैलश गुप्ता ने डिप्टी सीएम के प्रतिनिधि के रूप में शिरकत कर कार्यक्रम को अंजाम दिया। सर्वप्रथम उन्होंन अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त कर, सभी को दो मिनट का मौन धारण कराया। उसके बाद अलीगढ के गीतकार डॉ.अवनीश राही को स्मृति-चिन्ह, प्रशस्तिपत्र के साथ शॉल उढाकर कर "चंदबरदाई गीत ऋषि" की उपाधि से सम्मानित किया। इस अवसर मुख्य अतिथि ने कहा कि साहित्य समाज का अभिन्न अंग है। साहित्य के बिना स्वस्थ्य समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती ऐसे में शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में कलम के सशक्त हस्ताक्षर गीतकार डॉ.अवनीश राही अपनी भूमिका बखूबी निभा रहे है। गीतकार डॉ.अवनीश राही ने जहां एक ओर अहमदाबाद विमान दुर्घटना में क्रूर काल के गाल में समाए मृतकों को शब्द रूपी श्रद्धांजलि दी वहीं दूसरी ओर नम नैनों से पुरस्कार प्राप्त कर कहा कि मुझे भलीभाँति अहसास है कि साहित्य और समाज के प्रति मेरी जिम्मेदारी पहले से कहीं और ज्यादा बढ गई है कैज ब्रेन प्राइवेट लिमिटेड मुंबई महाराष्ट्र के बैनर तले आयोजित कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, छत्तीसगढ, राजस्थान सहित पूरे भारत के विविध कला एवं साहित्य प्रेमियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर अलीगढ़ के प्रमुख समाजसेवी एवं संस्कार भारती के जिलाध्यक्ष भुवनेश आधुनिक ने गीतकार डॉ अवनीश राही को बधाई प्रेषित की है ।

पुरानी रंजिश में फावड़े से हमला कर महिला की हत्या, इलाके में सनसनी

मृतका का बेटा आरोपी की पत्नी को भगा ले गया था

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। उत्तर प्रदेश के जनपद कासगंज के थाना सहावर क्षेत्र के गांव इतवारपुर में पुरानी रंजिश के चलते एक महिला की फावड़े से हमला कर हत्या कर दी गई। इस घटना से पूरे परिवार में कोहराम मच गया है और इलाके में सनसनी फैल गई है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जानकारी के अनुसार, मृतक महिला की पहचान चंद्रबती (लगभग 45 वर्ष) पत्नी प्रवीण कुमार के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि महिला के बेटे और आरोपी की पत्नी के बीच पूर्व में हुई घटना के कारण दोनों परिवारों के बीच पुरानी रंजिश चल रही थी। इसी रंजिश के चलते आज चंद्रबती पर फावड़े से हमला किया गया, जिससे उनकी मौत हो गई।

घटना की सूचना तत्काल कोतवाली सहावर पुलिस को दी गई। थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायल महिला को सहावर अस्पताल ले आई, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने नियमानुसार शव का पंचायतनामा भरा और उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

योगी सरकार प्रदेश के इतिहास की सबसे बड़ी आरक्षी नागरिक पुलिस सीधी भर्ती का सौंपेगी नियुक्ति पत्र

लखनऊ

योगी सरकार रविवार को यूपी पुलिस विभाग की सबसे बड़ी आरक्षी नागरिक पुलिस सीधी भर्ती 60,244 का नियुक्ति पत्र वितरित करेगी। इसको लेकर तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। योगी सरकार द्वारा आयोजित आरक्षी पुलिस नियुक्ति पत्र को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा वितरित किया जाएगा। बता दें कि योगी सरकार द्वारा प्रदेश के इतिहास में पहली बार पुलिस विभाग में इतने बड़े पैमाने पर आरक्षी सिपाही भर्ती परीक्षा को सकुशल संपन्न कराया गया। इतना ही नहीं योगी सरकार ने सकुशल भर्ती प्रक्रिया संपन्न कराने के साथ हाईटेक ट्रेनिंग देने के साथ रिकार्ड समय में ज्वाइनिंग देकर नया कीर्तिमान रचने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में पुलिस बल को सशक्त और आधुनिक बनाने के उद्देश्य से 60,244 आरक्षियों की सीधी भर्ती प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। देश की अब तक की सबसे बड़ी पुलिस भर्ती प्रक्रिया को अभूतपूर्व तकनीकी नवाचारों और पारदर्शिता के साथ सम्पन्न किया गया, जिसकी प्रशंसा न केवल प्रदेश में बल्कि पूरे देश में हो रही है।

विश्व रक्तदान दिवस पर पूर्व सांसद व भाजपा जिलाध्यक्ष ने विशाल रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। रक्तदानियों ने दिखाया उत्साह भीषण गर्मी भी नहीं रोक पाई रक्त वीरों जज्बे को सलाम एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक ह्यूमन राइट्स के तत्वावधान में विश्व रक्तदान दिवस के अवसर विशाल रक्तदान शिविर आयोजन कैला माँ ब्लड बैंक में हुआ '

शिविर का शुभारंभ जिला अध्यक्ष भाजपा शरद माहेश्वरी व पूर्व सासंद राजेश दिवाकर एवं पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष गौरव आर्य ने संयुक्त रूप किया जिलाध्यक्ष शरद माहेश्वरी ने कहा कि रक्तदान दूसरों को जीवनदान देता है और हमारे शरीर को स्वस्थ रखता है एडीएचआर अपने सामाजिक सरोकार से उत्कृष्ट कार्य कर रही हैं।

पूर्व सांसद राजेश दिवाकर ने कहा कि हम ईश्वर तो नहीं बन सकते लेकिन रक्तदान जैसा ईश्वरीय कार्य तो कर सकते हैं ईश्वर जीवन देता है लेकिन मनुष्य अपने को दान जीवन बचाने का कार्य करता है ' पूर्व जिलाध्यक्ष गौरव आर्य ने कहा कि एडीएचआर जैसी संस्थायें समाज के लिए उदाहरण होती है हमारे सामाजिक तानेबाने को मजबूत करती हैं, राष्ट्रीय महासचिव प्रवीन वार्ष्णेय ने कहा कि एडीएचआर अपने सामाजिक सरोकार से समाज में जागरूकता का भाव पैदा कर रहा है जनपद में रक्तदान की जागरूकता के लिए बहुत बडे बडे अभियान चलाये है उसी का नतीजा है कि लोग रक्तदान के लिए लालायित रहते हैं रक्तदानियों ने बहुत उत्साह दिखाया है।

छोटी खबरें

वेद भगवान सनातन धर्म सभा ने अहमदाबाद में प्लेन दुर्घटना में मारे गए लोगों को दी श्रद्धांजलि

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। वेद भगवान सनातन धर्म सभा की एक बैठक फौजी भवन नवल नगर में सभा के अध्यक्ष डॉ जितेंद्र स्वरूप शर्मा "फौजी" की अध्यक्षता में हुई बैठक में अहमदाबाद विमान दुर्घटना में उन सभी दिवंगत आत्माओ की शांति के लिए प्रभु से प्रार्थना की गई ,तथा भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में ऋषि कुमार कौशिक ,राधा माधव "एडवोकेट", शैलेंद्र कुमार वशिष्ठ, देव स्वरूप शर्मा, उमाशंकर वशिष्ठ, जयशंकर पाराशर "बबलू" आचार्य डॉ गणेश वशिष्ठ, शशांक पचोरी "एडवोकेट" आदित्य स्वरूप शर्मा, मनोज वशिष्ठ ,आदि शामिल थे।

गोवर्धन लीला सुन भाव विभोर हो नृत्य करने लगे श्रोता

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। सासनी-के मोहल्ला चामणवाला में श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन बड़े ही धूमधाम से किया जा रहा है। इसमें क्षेत्र के भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। कथा व्यास नरेश भारद्वाज ने श्रीमद्भागवत कथा के दौरान गोवर्धन लीला का रोचक वर्णन किया। जिसे सुन श्रोता भाव विभोर हो नृत्य करने लगे। शनिवार को कथा व्यास ने प्रसंग में बताया गया कि इंद्र को अपनी सत्ता और शक्ति पर घमंड हो गया था। उसका गर्व दूर करने के लिए भगवान ने ब्रज मंडल में इंद्र की पूजा बंद कर गोवर्धन की पूजा शुरू करा दी। इससे गुस्साए इंद्र ने ब्रज मंडल पर भारी बरसात कराई। प्रलय से लोगों को बचाने के लिए भगवान ने कनिष्ठा उंगली पर गोवर्धन पर्वत को उठा लिया। सात दिनों के बाद इंद्र को अपनी भूल का एहसास हुआ। भगवान कृष्ण ने कहा इंद्र देव का यह कर्तव्य है कि भगवान ने उसे यह सेवा दी है। गिरिराज गोवर्धन भगवान विष्णु स्वरूप है। भगवान कृष्ण ने गिरिराज के लिए यज्ञ करके यह सिद्ध किया। अगर भगवान को प्रसन्न कर लिया जाए तो देवी देवताओं को प्रसन्न करने की आवश्यकता नहीं रह जाती।

कांग्रेस संगठन सृजन अभियान हाथरस ब्लॉक बैठक संपन्न

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। कांग्रेस द्वारा चलाए जा रहे जिला संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत हाथरस ब्लॉक के कार्यकताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक ग्राम भगराय में संपन्न हुई । बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस अध्यक्ष विवेक उपाध्याय ने की तथा मुख्य अतिथि के रूप में जिला कोऑर्डिनेटर प्रतिमा सिंह उपस्थित रहीं। बैठक का संचालन जिला महामंत्री कृष्ण कुमार एडवोकेट ने किया। बैठक में कार्यकताओं की राय और जिला कोऑर्डिनेटर की सहमति के उपरांत, श्री विवेक उपाध्याय ने श्री शांतनु सेंगर को ब्लॉक हाथरस कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में घोषित किया। साथ ही उन्हें ब्लॉक कार्यकारिणी के गठन की जिम्मेदारी भी सौंपी गई। मुख्य अतिथि प्रतिमा सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि ब्लॉक कमेटियाँ संगठन की नींव होती हैं और यदि नींव मजबूत हो तो संगठन की इमारत भी मजबूत बनती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यकताओं की सक्रियता और जमीनी जुड़ाव को प्राथमिकता देते हुए दायित्व सौंपे जा रहे हैं। आगामी समय में कार्यों की समीक्षा की जाएगी। साथ ही उन्होंने सभी कार्यकताओं से अभी से पंचायत चुनावों की तैयारी शुरू करने का आह्वान किया।

शराब पीकर हंगामा कर रहे नामजदों ने दो भाइयों को पीटा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। कोतवाली सिकंदराराऊ क्षेत्र के गांव नीजरा गोकुलपुर में नामजदो ने दो भाइयों को मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़ित ने कोतवाली में एक महिला समेत पांच के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने को तहरीर दी है ।गांव नीजरा गोकुलपुर निवासी अनुपम पुत्र हरीशचंद्र ने दी तहरीर में उल्लेख किया है कि शुक्रवार की रात्रि 10 बजे करीब गांव के ही नामजद शराब पीकर उसके घर के बाहर हंगामा कर रहे थे । जब पीड़ित ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने गाली गलौज कर उसके ऊपर लाठी डंडों से प्रहार कर दिया । जिससे वह लहूलुहान हो गया । शोर गुल सुनकर बीच बचाव में आए उसके भाई अनिल के साथ भी नामजदों ने मारपीट कर दी । जिससे वह भी घायल हो गया । तहरीर मिलने के बाद पुलिस मामले की पड़ताल में जुट गई है।

आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में 5 के खिलाफ रिपोर्ट

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। सिकन्द्राराऊ कोतवाली क्षेत्र के गांव मूढा.नौजरपुर में एक व्यक्ति को नामजदों द्वारा आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में मृतका की पत्नी ने कोतवाली में पुलिस अधीक्षक के आदेश पर एक महिला समेत पांच नामजद आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई है । कोतवाली में गांव मूढा.नौजरपुर निवासी लक्ष्मी देवी पत्नी इंद्रजीत सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में आरोप लगाते हुए कहा है कि दुर्गे पत्नी मुनेश , मुनेश सिंह पुत्र तेजपाल सिंह , राहुल पुत्र मुनेश सिंह निवासीगण घरतौली थाना टप्पल जिला अलीगढ़ एवं विनोद और ओमप्रकाश निवासीगण गांव मूढा. नौजरपुर ने उसकी सास की जमीन अपने नाम करा ली । इस बात को लेकर उसके पति ने मां की जमीन वापस करने को आरोपियों से कहा तो आरोपियों ने उसके साथ मारपीट कर दी और जान से मारने की धमकी दी तथा उसे आत्महत्या करने के लिए उकसाने लगे और गत 1 जनवरी को इससे कुपित होकर उसके पति ने घर में नीम के पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली । पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम भी कराया था। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले में विवेचना शुरू कर दी है ।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की उपचार के दौरान मौत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस । आगरा अलीगढ़ रोड स्थित पराग डेयरी के निकट अज्ञात वाहन की टक्कर से एक बाइक सवार की मौत हो गई। जिससे मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। मिली जानकारी के अनुसार हापुड़ निवासी मोहब्बत अली बाइक द्वारा किसी काम से हाथरस आया था। जो काम समाप्त करने के बाद बाइक से अलीगढ की ओर जा रहा था। बताते हैं कि जैसे ही वह पराग डेयरी के निकट पहुंचा वैसे ही अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे वह बाइक सहित सडक पर गिरकर घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर राहगीरों और स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पाकर मौके पर पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने लोगों की मदद से घायल को उपचार के लिए जिला अस्पताल हाथरस भेजा जहां हालत गंभीर होने के कारण चिकित्सकों ने अलीगढ मेडिकल रेफर कर दिया। जहां उपचार के दौरान घायल ने दम तोड़ दिया। वहीं मृतक की जेब से मिले कागजातों के आधार पर उसकी पहचान बमेला, हापुड़ निवासी मोहब्बत अली के रूप में होने पर घटना की सूचना परिजनों को दी। सूचना पाकर परिजन मौके पर पहुंच गये। परिजनों में कररूण क्रंदन मच गया। उधर पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया। जिसका देर शाम परिजनों ने अंतिम संस्कार कर दिया। समाचार लिखे जाने तक घटना की कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई थी।

विश्व शांति के लिए तप कर रहे आचार्य पवन गौड

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। गांव नगला ताल स्थित प्राचीन वीलेश्वर महादेव मंदिर में विश्व शांति के लिए आचार्य पवन गौड़ तप करने में लगे हैं। श्रीमद भागवत कथा के दौरान आचार्य पवन गौड़ ने दस जून से सोलह जून तक सात दिन के विशेष तप की शुरूआत की है।चिलचिलाती और शरीर को जलाने वाली प्रचंडतेज धूप में आचार्य प्रतिदिन सुबह नौ बजे से दोपहर बारह बजे तक मौन धारण करते हुए तपस्या कर रहे हैं। तपस्या के दौरान आचार्य के उनके चारों ओर अग्नि प्रज्वलित रहती है। गर्मी के मौसम में जहां लोगों का जीना मुहाल है वहीं आचार्य खुले आसमान के नीचे शरीर को झुलसाने वाली प्रचंड सूर्य किरणों के तेज को सहन करते हुए में तपस्या कर रहे हैं। आचार्य ने बताया कि वह विश्व कल्याण के लिए यह तप कर रहे हैं। वहीं बता दें कि आचार्य के तप दर्शन हेतु भारी संख्या में प्रतिदिनं श्रद्धालु पहुंचकर तप में लीन आचार्य की प्रतिक्षणा करते हैं।

आरोपी के सहयोगी घूम रहे खुलेआम, दे रहे धमकियां

दस दिन बाद भी सहयोगी नही किए जा सके गिरफ्तार, पुलिस हवा में लगा रही निशाना

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अमांपुर। अमांपुर थाना क्षेत्र में एक किशोरी के साथ दुराचार और उसकी अश्लील वीडियों सोशल मीडिया पर वायरल करने वाले मुख्य आरोपी अरमान के सहयोगियों के क्षेत्र में खुलेआम घूमने पर किशोरी के पिता ने पुलिस अधीक्षक से कार्रवाई की मांग की हैं।

दुष्कर्म और अश्लील वीडियो वायरल के मामले में मुख्य आरोपी को पुलिस पहले ही जेल भेज चुकी है। अब उसके चार अन्य सहयोगी खुलेआम क्षेत्र में घुम रहें हैं और शिकायत वापस लेने के लिए लगातार प्रार्थी पर नाजायज दबाव बना रहे हैं। फैसला न करने पर झूठे मुकदमों में फंसकर जेल भेजने की धमकी दे रहे हैं। किशोरी के पिता ने पुलिस अधीक्षक को शिकायत पत्र देकर मदद की गुहार लगाई हैं। जिसमें उन्होने बताया कि 2 फरवरी को उसने अमांपुर थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसकी नाबालिग बेटी को घर बुलाकर नामजद ने दुराचार किया। इसके बाद उसकी अश्लील वीडिओ वायरल करने की धमकी देकर लगातार शारीरिक संबंध बनाता रहा। विरोध करने पर आरोपी ने उसकी अश्लील वीडियो वायरल कर दी थी। इस मामले में पुलिस आरोपी अरमान पुत्र जब्बार उर्फ छोटे व सारिक, सानू, फरीन, मुस्कान के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें पुलिस ने मुख्य आरोपी अरमान पुत्र जब्बार उर्फ छोटे को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। लेकिन पुलिस ने दस दिन बाद भी सहयोगी को पकड़ना तो दूर उनकी तलाश में दबिश देना भी उचित नहीं समझा हैं। इधर अब भी सहयोगी खुलेआम क्षेत्र में घूम रहें हैं। और धमकियां दे रहे हैं।

इससे पीड़ित पक्ष में भी भय का माहौल बना हुआ हैं। इससे उनका परिवार सहमा हुआ हैं। उन्होंने पुलिस से आरोपी के सहयोगियों को गिरफ्तार करने की मांग की हैं। थाना प्रभारी सुमित त्रिपाठी ने बताया कि मुख्य आरोपी अरमान को गिरफ्तार कर जेल भेज जा चुका है। जबकि सहयोगी की तलाश पुलिस कर रही है।

काशी समाज शिक्षा विकास संस्थान ने साल भर में बाल मजदूरी से मुक्त कराए 75 बच्चे

मोर्निंग सिटी संवाददाता

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर जिले में बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए काम कर रहे काशी समाज शिक्षा विकास संस्थान ने कहा कि बाल अधिकारों के मोर्चे पर जिला प्रशासन व नागरिक समाज में जो सजगता व समन्वय दिख रहा है, उससे यह विश्वास जगता है कि हम जल्द ही बाल श्रम मुक्त काशी राम नगर* का सपना साकार होते देखेंगे। संगठन ने कहा कि पिछले एक साल में जिला प्रशासन के सहयोग से उसने जिले में.बाल श्रम के खिलाफ *75* छापामार अभियान चलाए और इस दौरान *75* बच्चों को मुक्त कराया। आज विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर भी *काशी समाज शिक्षा विकास संस्थान* ने छापों की कार्रवाई की और *75* बच्चों को बाल मजदूरी से मुक्त कराया। इसके अलावा, जिले में इस मौके पर कई कार्यक्रमों का आयोजन हुआ जिसमें बाल मजदूरी के खिलाफ लोगों को जागरूक किया गया और इसके खात्मे का संकल्प लिया गया। इस दौरान बाल मजदूरी के पूरी तरह खात्मे के लिए राष्ट्रीय बाल श्रम उन्मूलन मिशन शुरू करने, इसके लिए पर्याप्त संसाधनों का आवंटन और जिलों में जिला स्तरीय चाइल्ड लेबर टास्क फोर्स के गठन की मांग की। काशी समाज शिक्षा विकास संस्थान काशीराम नगर* देश में बाल अधिकारों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए देश के नागरिक समाज के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) का सहयोगी संगठन है। जेआरसी के *250* से भी ज्यादा सहयोगी संगठन देश के *418* जिलों में जमीन पर बाल श्रम, बाल विवाह, बाल यौन शोषण और बच्चों की ट्रैफिकिंग के खिलाफ काम कर रहे हैं। जेआरसी ने बच्चों की सुरक्षा के लिए कानूनी हस्तक्षेप कार्यक्रम न्याय तक पहुंच के जरिए पिछले दो वर्षों में *85,000* से ज्यादा बच्चों को बाल मजदूरी से मुक्त कराया है और *54,000* से ज्यादा मामलों में कानूनी कार्रवाई शुरू की। *काशी समाज शिक्षा विकास संस्थान* के निदेशक *मीना सिंह* ने रिपोर्ट के हवाले से कहा, बाल श्रम के खात्मे की दिशा में दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले भारत का प्रदर्शन काफी बेहतर रहा है और इसका श्रेय राज्य सरकार और जिला प्रशासन की सतर्कता और संवेदनशीलता को जाता है। हमने जिले में अब तक *75* बाल मजदूरों को मुक्त कराया है और उनके पुनर्वास की दिशा में भी प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा कि पीड़ितों के पुनर्वास और अपराधियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई से ही बाल मजदूरी पर रोक लग पाएगी और भारत इस दिशा में आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने बाल श्रम के खात्मे के लिए समग्र नीतिगत बदलावों, सरकारी खरीदों में बाल श्रम का इस्तेमाल कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति, *18* साल तक मुफ्त व अनिवार्य शिक्षा, पीड़ित बच्चों के पुनर्वास के लिए बाल मजदूर पुनर्वास कोष की स्थापना, खतरनाक उद्योगों की सूची में विस्तार, राज्यों को उनकी विशेष जरूरतों के हिसाब से नीतियां बनाने, बाल मजदूरी के खात्मे के लिए सतत विकास लक्ष्य *8.7* की समय सीमा को *2030* तक बढ़ाने, दोषियों के खिलाफ सख्त व त्वरित कानूनी कार्रवाई की मांग की।

जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के राष्ट्रीय संयोजक रवि कांत ने कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के कन्वेंशन *182* यानी बाल श्रम को रोकने की अंतरराष्ट्रीय संधि का हस्ताक्षरकर्ता देश है जिसमें बाल श्रम के सभी खतरनाक स्वरूपों को खत्म करने की प्रतिबद्धता जताई गई है। भारत इस दिशा में सार्थक प्रयास कर रहा है जिसके सुखद परिणाम भी सामने आए हैं। उन्होंने कहा, विकसित भारत के सपने को पूरा करने के लिए बाल श्रम मुक्त आपूर्ति श्रृंखला, कौशल विकास और शिक्षित व जिम्मेदार नागरिक पहली शर्त हैं। हमें बाल श्रम को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति पर अमल करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की जरूरत है। सरकार को अभियोजन तंत्र को मजबूत करते हुए एक बाल मजदूर पुनर्वास कोष स्थापित करने व इन बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए एक समग्र पुनर्वास नीति पर काम करना चाहिए।

बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) के सहयोगी काशी समाज शिक्षा विकास संस्थान चला रहा जिले में बाल श्रम के खिलाफ अभियान

युवक ने फांसी का फंदा लगाकर की आत्महत्या

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। थाना चंदपा क्षेत्र के गांव चितावर में एक युवक द्वारा आज फांसी लगाकर आत्महत्या कर लेने से जहां गांव में सनसनी फैल गई। वहीं परिजनों में भारी कोहराम मच गया और मौके पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम हेतु भिजवाया बताया जाता है थाना चन्दपा क्षेत्र के गांव चितावर निवासी करीब 40 वर्षीय युवक राकेश पुत्र महावीर सिंह पिछले कुछ समय से शराब का अत्यधिक सेवन करने लगा था। इसी कारण उसकी पत्नी उसे छोड़कर चली गई थी। उसके कोई संतान भी नहीं थी। उसके पिता महावीर सिंह चौकीदार के रूप में काम करते हैं। घटना रात्रि की बतायी जाती है। बताते हैं राकेश ने अत्यधिक मात्रा में शराब का सेवन किया। इसके बाद घर के कमरे में फांसी लगा ली। सुबह जब उसके पिता घर पहुंचे, तो उन्होंने बेटे को फांसी के फंदे पर लटका देखा। बताया जाता है पिता द्वारा तत्काल घटना की सूचना थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

विकसित भारत संकल्प सभा आज

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस-। भारतीय जनता पार्टी की केंद्र की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में विकसित भारत का अमृत काल ,सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के 11 वर्ष पर आज 15 जून को सुबह 11 बजे भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय गौशाला रोड पर नगर भारतीय जनता पार्टी की एक विकसित भारत संकल्प सभा आयोजित होगी। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष शरद माहेश्वरी एवं मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला महामंत्री संजय सक्सेना भाग लेंगे। भारतीय जनता पार्टी के शहर अध्यक्ष मूलचंद वार्ष्णेय ने जानकारी देते हुए पार्टी के सभी बूथ अध्यक्ष, शक्ति केंद्र संयोजक ,शक्ति केंद्र प्रभारी ,सभी नगर के सभासद ,सभी नगर पदाधिकारी ,सभी मोर्चा प्रकोष्ठों के अध्यक्ष एवं उनके पदाधिकारी एवं भारतीय जनता पार्टी के नगर में रहने वाले सभी कार्यकताओं से अनुरोध है कि सभी कार्यकर्ता अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को गति प्रदान करें।

कर्ज से परेशान किसान ने की आत्महत्या

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। कोतवाली सिकन्द्राराऊ क्षेत्र के गांव पोरा में एक किसान ने कर्ज से परेशान होकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली । किसान का शव खेत में जामुन के पेड़ पर लटका मिला । जिससे परिजनो में कोहराम मच गया। मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई । पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृतक के शव को पोस्टमार्टम को भेज दिया। बताया जाता है कोतवाली क्षेत्र के गांव पोरा निवासी 45 वर्षीय सत्यवीर सिंह कर्ज की अधिक रकम के कारण परेशान रहते थे। शुक्रवार की सुबह वह अपने खेत में मक्का की रखवाली करने को गए थे। शाम तक जब घर नही लौटे तो परिजनों को चिंता हुई । परिजन उन्हे तलाश करते हुए खेत पर पहुंचे । जहां उनका शव जामुन के पेड़ पर फांसी के फंदे पर लटका मिला । जिससे क्षेत्र में सनसनी मच गई, मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई । किसान की मौत से परिजनो में हाहाकार मच गया । मामले की सूचना पुलिस को दी गई । पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम को भिजवा दिया।पोस्टमार्टम के बाद जब मृतक का शव गांव में पहुंचा तो गांव में शोक की लहर दौड़ गई । परिजनों ने गमगीन माहौल में मृतक के शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

रविवार को ग्रामीण नलकूप तथा बसई बसगोई में रहेगी बिजली बंद

हाथरस। ग्यारह केवी फीडर बसई नलकूप तथा बसई ग्रामीण पर स्थापित वितरण ट्रांसफार्मर पर एलटी एसएमसी बॉक्स फ्यूज सेट स्थापना कार्य के कारण विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। शनिवार को यह जानकारी देते हुए अवर अभियंता तौशीष कुमार ने बताया कि कारण पंद्रह जून दिन रविवार को 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र बसई बसगोई के 11 केवी फीडर बसई नलकूप एवं बसई ग्रामीण पर कार्यदाई संस्था मैसर्स खान इंटरप्राइजेज द्वारा वितरण ट्रांसफार्मर की सुरक्षा हेतु एलटी एसएमसी बॉक्स फ्यूज सेट की स्थापना का कार्य किया जाएगा। उक्त कार्य के संपादन हेतु आवश्यकतानुसार दिनांक दिनांक पंद्रह जून दिन रविवार को सुबह आठ बजे से सायं तीन बजे संबंधित फीडरों बसई ग्रामीण एवं बसई नलकूप से उजीकृत ग्राम बसई, बसगोई, बजरिया, नगला मिश्रिया एवं नगला बीरबल की विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

लेडी लॉयल अस्पताल की बदहाल व्यवस्था पर महिला आयोग अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान का औचक निरीक्षण, बोलीं

अब होगी सीधी कार्यवाही

गंदे शौचालय, टूटे दरवाजे, और रस्सी से बंद टॉयलेट

अल्ट्रासाउंड और ओपीडी में भी अव्यवस्था

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की माननीय अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान ने शनिवार को आगरा के जिला महिला चिकित्सालय (लेडी लॉयल अस्पताल) का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में पाई गई भारी अव्यवस्थाओं पर उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका (सीएमएस) डॉ. रचना गुप्ता को कड़ी फटकार लगाई और दो टूक शब्दों में कहा–अब चेतावनी नहीं, सीधे कार्यवाही होगी।

निरीक्षण की शुरूआत डॉ. बबीता चौहान ने अस्पताल की लिफ्ट से की, जो बंद मिली। वहां मौजूद तीमारदारों ने बताया कि लिफ्ट कई महीनों से खराब है और मेटरनिटी विंग तक मरीजों को तीसरी मंजिल तक सीढ़ियों से ले जाया जाता है। जब इस पर डॉ. चौहान ने सीएमएस से जवाब मांगा, तो उन्होंने कहा कि पीडब्ल्यूडी (लोक निर्माण विभाग) को पत्र भेजा गया है और समस्या का समाधान उनके ही अधीन है। मौके पर ही डॉ. चौहान ने पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता को फोन मिलाकर बात की तो अधिकारी ने साफ कहा कि कोई पत्र ही नहीं मिला है। इस पर डॉ. चौहान ने नाराजगी जताई और लिफ्ट की मरम्मत के तत्काल निर्देश दिए।

मेटरनिटी विंग के प्रसूता कक्ष में जब डॉ. बबीता चौहान पहुंचीं तो वहां सिर्फ दो कूलर मिले, जिनमें से एक की पानी की मोटर खराब थी। मरीजों ने बताया कि उनके आने से कुछ ही देर पहले कुछ और कूलर लगाए गए हैं। इस पर डॉ. चौहान ने सवाल कियाझ "मेरे आने पर ही कूलर क्यों रखवाए गए? इतनी गर्मी में यह हाल है?" आरओ वॉटर कक्ष का निरीक्षण करने पर पाइपलाइन टूटी पाई गई। कर्मचारियों ने कारण बताया कि बंदरों ने पाइप काट दिए हैं। इस पर भी डॉ. चौहान भड़क गईं और मौके से ही नगर निगम के अधिकारियों को फोन कर बंदरों की समस्या का तत्काल समाधान कराने के निर्देश दिए। साथ ही, आरओ की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सीएमएस डॉ. रचना गुप्ता को कड़े निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जब महिला शौचालयों की स्थिति देखी गई तो गंदगी, टूटे दरवाजे और कपड़े की रस्सी से बंद टॉयलेट मिले। वहां तैनात एक सफाईकर्मी ने निरीक्षण के दौरान तत्काल सफाई शुरू कर दी, जिस पर डॉ. चौहान ने चेतावनी दी "यह दिखावा बंद करो, लापरवाही पर नौकरी जा सकती है।" उन्होंने तुरंत दरवाजों की मरम्मत, नियमित सफाई और टॉयलेट की निगरानी के निर्देश दिए।

अल्ट्रासाउंड कक्ष में मौजूद महिलाओं ने बताया कि वे सुबह 8 बजे से लाइन में हैं, लेकिन डॉक्टर अब तक नहीं आए हैं। कुछ ने कहा कि बाहर से अल्ट्रासाउंड कराने को मजबूर किया जाता है। इस पर डॉ. चौहान ने सीएमएस से पूछा - "जो डॉक्टर 11 बजे तक नहीं आते, उन पर कार्रवाई क्यों नहीं होती?" ओपीडी में कई मरीज फर्श पर बैठे मिले। पूछताछ में कई महिलाओं ने बताया कि पट्टी करने के 200 रुपये, और डिलीवरी के बाद 'शगुन' के नाम पर पैसे मांगे जाते हैं। जब यह आरोप डॉ. बबीता चौहान ने सीएमएस डॉ. रचना गुप्ता के समक्ष रखा, तो उन्होंने कहा कि अस्पताल में प्रतिमाह 300 से 400 डिलीवरी होती हैं, जिनमें लगभग 150 सिजेरियन होती हैं। उन्होंने सफाई दी कि "पैसे लेने की पूर्व शिकायत पर संबंधित स्टाफ को हटा दिया गया है, अब कोई पैसा नहीं लिया जाता।"

भयंकर गर्मी को देखते हुए डॉ. बबीता सिंह चौहान ने अपनी ओर से 4 बड़े कूलर तत्काल अस्पताल को प्रदान किए और कहा कि महिला मरीजों को गर्मी से राहत मिलनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि मेटरनिटी विंग में एसी लगवाने हेतु प्रस्ताव भेजा जाए।

एसएन मेडिकल कॉलेज में 1.26 किलोग्राम की मायोमा सर्जरी सफल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। एस.एन. मेडिकल कॉलेज के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग में डॉक्टरों की टीम ने एक जटिल ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम देकर 27 वर्षीय अविवाहित महिला की जान बचाई। महिला को अनियमित एवं अत्यधिक मासिक रक्तस्राव, पेट दर्द और मूत्रनली पर दबाव के चलते अस्पताल में भर्ती किया गया था। जांच में सामने आया कि उसके गर्भाशय की पिछली दीवार पर 13940.121 मिमी की इंट्राम्यूरल मायोमा (गांठ) मौजूद थी, जो दाहिनी मूत्रनली पर दबाव डालते हुए हाइड्रोनेफ्रोसिस (गुर्दे में सूजन) का कारण बन रही थी। यह जटिल मामला प्रो. अनु पाठक की यूनिट में सामने आया।

मरीज और परिजनों की सहमति के बाद तत्काल ऑपरेशन का निर्णय लिया गया। ऑपरेशन टीम में डॉ. अनु पाठक, डॉ. आकांक्षा, डॉ. आकृति, डॉ. आस्था और डॉ. श्वेता शामिल थीं। एनेस्थीसिया टीम में डॉ. योगिता, डॉ. रजनी और डॉ. आशीष ने सहयोग किया। ऑपरेशन के दौरान गर्भाशय से 1.26 किलोग्राम वजन की विशाल मायोमा को सफलतापूर्वक निकाला गया। विभागाध्यक्ष डॉ. शिखा सिंह के निर्देशन और सहयोग से हुई इस सर्जरी के बाद यह सुनिश्चित किया गया कि मरीज का गर्भाशय संरक्षित रहे और भविष्य में कोई जटिलता न हो।

चार दिन तक गहन निगरानी के बाद मरीज को संतोषजनक स्थिति में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता ने कहा कि एस.एन. मेडिकल कॉलेज में लगातार जटिल से जटिल सर्जरी सफलतापूर्वक की जा रही हैं, जिससे मरीजों को बड़ा लाभ मिल रहा है। यह उपलब्धि मेडिकल कॉलेज के स्त्री रोग विभाग की विशेषज्ञता और टीमवर्क का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

चेकिंग के दौरान डकैती के वांछित वारण्टी अभियुक्त विजय शंकर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। थाना डौकी पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए डकैती के प्रयास के मामले में वांछित चल रहे वारण्टी अभियुक्त विजय शंकर को उसके मस्कन से गिरफ्तार कर लिया।

थाना क्षेत्र में वारण्टी और वांछित अपराधियों की तलाश के दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। सूचना मिली थी कि थाना छत्ता, में दर्ज सम्बंधित वारण्टी अभियुक्त विजय शंकर पुत्र विनेश निवासी ग्राम विसारना, अपने घर पर मौजूद है। इस पर थाना डौकी की पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी करते हुए अभियुक्त को मौके से दबोच लिया और माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में थानाध्यक्ष योगेश कुमार व उप अभिषेक सिंह तोमर शामिल रहे।

ईंट भट्ठे पर मजदूर का शव पेड़ से लटका मिला, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका, भट्ठा संचालक पर आरोप

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। थाना बसई अरेला क्षेत्र में शनिवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब एक ईंट भट्ठे के पास एक मजदूर का शव नीम के पेड़ से फंदे पर लटका मिला। मृतक की पहचान सूखताल गांव के पास स्थित भट्ठे पर काम करने वाले मुन्नालाल के रूप में हुई है। वह वहीं ईंट निकासी का कार्य करता था। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। साथ ही फॉरेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य एकत्रित किए गए।

हालांकि यह मामला उस वक्त गंभीर मोड़ पर पहुंच गया, जब मृतक के परिजनों ने आत्महत्या की आशंका को खारिज कर दिया और भट्ठा संचालक पर हत्या का आरोप लगा दिया। मृतक के साले रामदत्त ने दावा किया कि जिस नीम के पेड़ से शव लटका मिला, उस पर मुन्नालाल चढ़ ही नहीं सकते। ऐसे में यह आत्महत्या नहीं, बल्कि सुनियोजित हत्या का मामला है। परिवार के अन्य सदस्यों का भी कहना है कि मृतक की भट्ठा संचालक से किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था, और उसी रंजिश के चलते उसकी हत्या कर दी गई। परिजनों ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। फिलहाल पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मछली का शिकार करने गया था महिपाल खुद बन गया मगरमच्छ का निवाला

शाहजहांपुर

यूपी के शाहजहांपुर स्थित निगोही में शनिवार शाम मछली का शिकार करने गर्रा नदी किनारे गए ग्रामीण को मगरमच्छ गहरे पानी में खींच ले गया। मगरमच्छ ने भतीजे पर भी हमला किया, लेकिन वह बाल-बाल बच गया। घर आकर भतीजे ने परिजनों व पुलिस को सूचना दी। बुजुर्ग की तलाश की जा रही है।

निगोही थाना क्षेत्र के उदयपुर कटैया गांव निवासी 50 वर्षीय महिपाल मजदूरी करते हैं। शनिवार दोपहर महिपाल अपने 28 वर्षीय भतीजे गुड्डू के साथ साइकिल से गांव से करीब चार किलोमीटर दूर गर्रा नदी पर मछली का शिकार करने के लिए गए। नदी किनारे जाल खोलने के दौरान मगरमच्छ ने महिपाल के पैर पर हमला कर दिया। भतीजे गुड्डू ने महिपाल को बचाने का प्रयास किया तो मगरमच्छ ने उस पर भी हमला कर दिया। वह भाग गया लेकिन महिपाल जख्मी होने की वजह से भाग नहीं सके। इसके बाद मगरमच्छ महिपाल को गर्रा नदी में गहरे पानी में खींच ले गया। इसके बाद गुड्डू साइकिल से घर आया। परिवार व पुलिस को सूचना दी। निगोही थाना प्रभारी अशोक कुमार का कहना कि रेस्क्यू टीम को सूचना दे दी गई है। नदी के पास लोगों को जाने से रोका गया है। ग्रामीण की तलाश की जा रही है। मगरमच्छ के डर से कोई नदी के पास नहीं गया, लेकिन पिता के लिए उनके बेटों ने नदी में घुसने की कोशिश की तो पुलिस ने उन्हें रोक लिया। महिपाल के बेटों को समझाया। वहीं, मगरमच्छ के हमले के बाद से गुड्डू सहम गया है। बताया जा रहा है कि मगरमच्छ काफी लंबा है। बुजुर्ग के नदी में खींच ले जाने की सूचना पर तिलहर, निगोही, खुदागंज थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई है। परिजनों ने बताया कि महिपाल की पत्नी कमला जानकारी होने पर बेसुध हो गई है। पति की सलामती की दुआ कर रही है। परिजनों ने बताया कि महिपाल के सात बेटे और एक बेटी है।

इंस्टाग्राम पर सुसाइड वीडियो पोस्ट कर फेमस होने की कोशिश

पुलिस ने समय रहते युवक की बचाई जान

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। सोशल मीडिया पर फेमस होने की सनक में एक युवक ने नींद की गोलियां खाकर आत्महत्या का नाटक करते हुए वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर दी।

वीडियो पोस्ट होते ही पुलिस कमिश्नरेट आगरा की सोशल मीडिया मीडिया सेल सक्रिय हुई और रात्रि 10:30 बजे युवक के घर पहुंचकर उसकी जान बचा ली। युवक की पहचान नीरज पुत्र रमाशंकर पचौरी निवासी बरहन, आगरा के रूप में हुई है। मीडिया सेल को रात 10:16 बजे इंस्टाग्राम पर एक वीडियो मिला, जिसमें युवक ने लिखा था -नींद की गोली, भगवान करे अब मैं कभी जगूं ही न। वीडियो में नीरज नींद की गोलियां खाते हुए नजर आ रहा था। तत्काल सक्रियता दिखाते हुए मीडिया सेल ने युवक की लोकेशन ट्रेस की और थाना बरहन को सूचित किया। थाना प्रभारी द्वारा पुलिस टीम तत्काल मौके पर भेजी गई, जिसने 10:29 बजे युवक को उसके घर से सुरक्षित बरामद किया। पूछताछ में नीरज ने स्वीकार किया कि उसने सोशल मीडिया पर व्यूज और प्रसिद्धि पाने के लिए यह वीडियो बनाया और पोस्ट किया था। उसने पुलिस से माफी मांगते हुए कहा कि अब वह ऐसा कदम नहीं उठाएगा और माता-पिता के साथ खुशहाल जीवन बिताएगा। पुलिस टीम ने नीरज को अस्पताल में मेडिकल परीक्षण हेतु भेजा और परिजनों को पूरी जानकारी दी। नीरज के परिवार ने थाना बरहन पुलिस की तत्परता की सराहना की और कहा कि पुलिस समय पर पहुंचकर अनहोनी टालने में सफल रही। पुलिस कमिश्नरेट आगरा के मीडिया सेल द्वारा 24७7 सोशल मीडिया की निगरानी की जाती है। मेटा प्लेटफॉर्म द्वारा आत्महत्या जैसे संवेदनशील कंटेंट की अलर्ट सूचना सीधे उत्तर प्रदेश पुलिस मुख्यालय को भेजी जाती है, जो संबंधित जिले की मीडिया सेल को भेजी जाती है। तत्पश्चात फौरन कार्रवाई की जाती है। पुलिस आयुक्त, आगरा के निर्देशन में संचालित यह प्रणाली न केवल अपराध रोकने बल्कि जीवन रक्षा के क्षेत्र में भी प्रभावी सिद्ध हो रही है। पुलिस ने युवक को भविष्य में ऐसी किसी भी परिस्थिति में सलाह लेने, बातचीत करने और आवश्यक होने पर काउंसलिंग करवाने की भी हिदायत दी।

सार्वजनिक स्थलों पर शराब पीने वालों के खिलाफ कमला नगर पुलिस का अभियान, हिरासत में दर्जनों

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। पुलिस आयुक्त महोदय के निर्देश पर थाना कमला नगर क्षेत्र में सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व थाना प्रभारी निशामक त्यागी ने किया। शुक्रवार रात को वाटर बॉक्स चौराहे से लेकर कमला नगर के विभिन्न क्षेत्रों में पुलिस टीम ने सघन चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान सड़क किनारे, पार्कों और सार्वजनिक स्थलों पर शराब पीते पाए गए युवकों को मौके से हिरासत में लिया गया।

पुलिस ने कई शराबियों के चालान किए और मौके से शराब की बोतलें, डिस्पोजल गिलास और अन्य सामग्री जब्त की। स्थानीय लोगों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने अभियान को खासतौर पर भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में केंद्रित किया। थाना प्रभारी निशामक त्यागी ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक स्थानों पर नशा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

उन्होंने कहा कि ऐसे लोग न केवल कानून का उल्लंघन करते हैं, बल्कि क्षेत्र की शांति और सुरक्षा के लिए भी खतरा बनते हैं। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया और कई युवक पुलिस को देखकर मौके से भाग खड़े हुए। देर रात तक चले इस तलाशी अभियान से स्थानीय निवासियों ने राहत की सांस ली और पुलिस की सक्रियता की सराहना की। थाना कमला नगर पुलिस ने स्पष्ट संदेश दिया है कि सार्वजनिक स्थलों पर शराबखोरी किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जनपद में आंगनवाड़ी लाभार्थियों की ई-केवाईसी एवं फेसियल रिकग्निशन प्रक्रिया प्रारंभ

30 जून तक पूरी न होने पर जुलाई से नहीं मिलेगा टेक होम राशन: जिला कार्यक्रम अधिकारी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

गौतमबुद्धनगर। शासन एवं जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा के निदेर्शानुसार जनपद में आंगनबाड़ी लाभार्थियों की ई-केवाईसी तथा फेसियल रिकग्निशन की प्रक्रिया संचालित की जा रही है। जिला कार्यक्रम अधिकारी पूनम तिवारी ने बताया कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य वितरण प्रणाली में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करना है, जिससे केवल पात्र लाभार्थियों को ही पोषण युक्त टेक होम राशन प्रदान किया जा सके।

शासन द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि यह कार्य आगामी एक सप्ताह में पूर्ण कर लिया जाए। ऐसे लाभार्थी जिनकी ई-केवाईसी एवं फेसियल रिकग्निशन प्रक्रिया 30 जून 2025 तक पूरी नहीं होगी, उन्हें जुलाई 2025 से टेक होम राशन उपलब्ध नहीं कराया जाएगा। प्रक्रिया के समयबद्ध एवं सुचारु क्रियान्वयन हेतु सभी सीडीपीओ (बाल विकास परियोजना अधिकारी) के साथ-साथ जिला कार्यक्रम अधिकारी स्वयं फील्ड विजिट कर कार्य की नियमित निगरानी कर रही हैं, ताकि आंगनबाड़ी कार्यकताओं को हर स्तर पर समय पर आवश्यक सहयोग प्रदान किया जा सके।

जिला कार्यक्रम अधिकारी ने सभी लाभार्थियों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने निकटतम आंगनबाड़ी केंद्र पर जाकर शीघ्र अपनी ई-केवाईसी एवं फेसियल रिकग्निशन प्रक्रिया पूर्ण कराएं। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता इस प्रक्रिया में हर संभव सहयोग हेतु तत्पर हैं। सभी पात्र लाभार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि वे इस अभियान में सक्रिय सहयोग दें, जिससे कोई भी पात्र व्यक्ति योजना के लाभ से वंचित न रहे।

ताजमहल में हीटवेव मॉकड्रिल, पर्यटकों की जान बचाने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने किया रेस्क्यू ऑपरेशन का अभ्यास

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। बढ़ती गर्मी और 45 डिग्री तक पहुंचते तापमान के बीच ताजमहल में हीटवेव से पर्यटकों को बचाने की तैयारियों को परखने के लिए शनिवार को एक विशेष हीटवेव मॉकड्रिल का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का नेतृत्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरुण श्रीवास्तव ने किया, जिसमें भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अफसरों और कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। मॉकड्रिल के दौरान हीटवेव से पीड़ित एक डमी पर्यटक को बेहोशी की हालत में ताजमहल परिसर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) लाया गया। सीआईएसएफ जवानों और एएसआई स्टाफ ने उसे स्ट्रेचर पर पीएचसी तक पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार दिया। इसके बाद एडवांस लाइफ सपोर्ट (एएलएस) एंबुलेंस से पर्यटक को जिला अस्पताल भेजा गया। यह पूरी प्रक्रिया वास्तविक आपात स्थिति में पर्यटकों की जान बचाने की रणनीति के तहत की गई। सीएमओ डॉ. अरुण श्रीवास्तव ने बताया कि ताज परिसर में स्थित डिस्पेंसरी को अब प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के रूप में अपग्रेड कर दिया गया है और जल्द ही यहां टेलीमेडिसिन सेवा भी शुरू की जाएगी। इस केंद्र पर 24 घंटे डॉक्टर, फार्मासिस्ट और प्रशिक्षित स्टाफ तैनात रहते हैं। साथ ही ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, ईसीजी मशीन, पल्स मॉनिटर और जरूरी दवाएं भी उपलब्ध हैं। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेंद्र मोहन प्रजापति ने बताया कि मॉकड्रिल में हीट स्ट्रोक के दौरान अपनाई जाने वाली संपूर्ण प्रक्रिया को दोहराया गया, ताकि किसी भी आपात स्थिति में पर्यटकों की समय रहते जान बचाई जा सके। इस मौके पर एनएचएम के डीपीएम कुलदीप भारद्वाज, पीएचसी नोडल अनिल सत्संगी, सीआईएसएफ डिप्टी कमांडेंट राकेश शुक्ला, एएसआई संरक्षण सहायक सतीश कुमार, रवि कुमार मिश्रा, तनुज दत्त शर्मा, श्यामनाथ, दिलीप, नागेंद्र सिंह सहित अन्य अधिकारी व स्टाफ मौजूद रहे। स्वास्थ्य विभाग की यह मॉकड्रिल न केवल आगरा बल्कि पूरे प्रदेश में पर्यटक स्थलों पर हीटवेव से निपटने के लिए एक मॉडल तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

आगरा में महिला को मगरमच्छ खींच ले गया पशुओं को पानी पिलाने गई थी चंबल नदी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। के भगवानपुरा गांव में मगरमच्छ एक महिला को चंबल में खींच कर ले गया। महिला की तलाश की जा रही है। पुलिस और वन विभाग की टीम भी पहुंच गई हैं। सुबह 9 बजे पशुओं को पानी पिलाने चंबल किनारे शिरोमणि (60) पहुंची थी। मगरमच्छ नदी में खींच ले गया। महिला के चीखने की आवाज साथी चरवाहों ने सुनी।

चरवाहे भी मदद के लिए चिल्लाने लगे। इस पर गांव वाले तुरंत नदी किनारे पहुंचे। प्रधान बच्छराज सिंह ने पुलिस और वन विभाग को सूचना दी। नदी में जाल आदि डाल कर महिला की तलाश की जा रही है। अब तक महिला नहीं मिली है। चंबल में मगरमच्छ के अटैक की घटनाएं लगातार हो रही हैं। गौसिंली में बकरी को मगरमच्छ द्वारा चंबल नदी में खींचा गया था।

कैंजराघाट पर नहाते समय गौसिंली और बिचोला के युवक मगरमच्छ के हमले में घायल हुए थे। बाह के रेंजर उदय प्रताप सिंह का कहना है कि नेस्टिंग से लेकर हैचिंग तक की प्रक्रिया में मगरमच्छ आक्रामक हो जाते हैं। वे अपने घोंसलों और अंडों को बचाने के लिए हमला करते हैं। इस समय हैचिंग का समय चल रहा है।

दर्दनाक मंज़र

अहमदाबाद प्लेन हादसा...हर तरफ अफरा तफरी

हादसे के बाद फैला धुआं

गेटविक एयरपोर्ट, लंदन पर चिंतित परिजन।

बाल-बाल बचे यात्री ने किया था हादसे से पहले वीडियो पोस्ट

विमान के उपकरण थे खराब

अहमदाबाद प्लेन क्रैश मामले में हैरान करने वाले कुछ वीडियो सामने आए हैं, जिसे एक युवक ने एक्स पर पोस्ट किया है। आकाश वत्स नामक यूजर ने दावा किया है कि प्लेन के कुछ उपकरण खराब थे। वह इसी फ्लाइट से दिल्ली से अहमदाबाद लौटे थे। इस बीच उन्होंने फ्लाइट के खराब उपकरण की मोबाइल से वीडियो बना ली थी। आकाश ने एक चैनल से बताया कि मैं अपने पिता और एक रिश्तेदार के साथ फ्लाइट में सवार हुआ था। इस विमान में मैंने बार-बार टर्बुलेंस होते देखा। मुझे ये थोड़ा अनयूजवल लगा। वत्स ने बताया कि अगर हम ऊपर उड़ रहे होते हैं तो फ्लाइट आमतौर पर स्टेबल होती है लेकिन इस फ्लाइट में सबकुछ एक नॉर्मल फ्लाइट जैसा नहीं था। इसकी फ्लैप पोजीशन थोड़ी अनयूजवल थी।

मौत का सफर

लंदन में कार्यरत बांसवाड़ा के डॉक्टर की पत्नी, बच्चों सहित मौत

विमान हादसे में राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। मृतक डॉक्टर का नाम प्रतीक जोशी है, जो लंदन में पेशे से डॉक्टर थे। वे पत्नी कोमी व्यास, जुड़वां बेटियां मिराया जोशी और प्रद्युत जोशी, बेटा नकुल जोशी के साथ यात्रा कर रहे थे। विमान हादसे से पहले ही पूरे परिवार ने एक सेल्फ ली थी जो आखिरी साबित हुई।

शादी के 5 महीने बाद पति से मिलने जा रही थी लंदन

बालोतरा जिले के अराबा दुदावता गांव की खुशबू कंवर के लिए यह सफर एक नए जीवन की शुरुआत होने वाला था, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। खुशबू राजपुरोहित शादी के बाद पहली बार अपने पति से मिलने लंदन जा रही थी। वह अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया फ्लाइट हादसे का शिकार हो गई। खुशबू बालोतरा जिले के अराबा दुदावता गांव के मदनसिंह राजपुरोहित की बेटी हैं। उनका विवाह 18 जनवरी को खाराबैरा पुरोहितान, लूणी निवासी विपुल सिंह राजपुरोहित से हुआ था। विपुल लंदन में डॉक्टर हैं।

गुड बाय इंडिया... भारत से अच्छी यादें लेकर जा रहा था ब्रिटिश

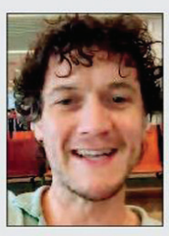

हादसे के शिकार लोगों में एक यात्री ब्रिटिश नागरिक जेमी रे मीक भी थे, जिनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि उन्होंने यह वीडियो अहमदाबाद एयरपोर्ट पर ही उड़ान भरने से थोड़ा पहले बनाया था और उसे अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया था। मीक वीडियो में कहते हैं, 'हम हवाई अड्डे पर हैं और बस विमान में चढ़ रहे हैं। लंदन के लिए 10 घंटे की उड़ान पर अलविदा भारत।'

पिता का बिजनेस संभालने किया एमबीए, भाई-बहन की एक साथ मौत

उदयपुर। अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान हादसे से उदयपुर भी दहल गया है। इस विमान में उदयपुर के चार स्थानीय सवार थे। इसमें उदयपुर के मार्बल व्यवसायी पिंकू मोदी के 24 साल के बेटे शुभ और 22 साल की बेटी शगुन मोदी सवार थीं। वहीं, रुंडेडा गांव के वर्दी चंद मेनारिया और प्रकाश मेनारिया भी अहमदाबाद से लंदन जा रहे थे। दोनों ने एमबीए की पढ़ाई पूरी की थी और अब पिता के कारोबार में हाथ बंटा रहे थे। जानकारी के अनुसार, दोनों भाई-बहन घूमने के उद्देश्य से लंदन जा रहे थे। उसी फ्लाइट में उदयपुर जिले के रुंडेडा गांव के रहने वाले वर्दी चंद मेनारिया और प्रकाश मेनारिया भी सवार थे। ये लंदन में शेफ थे।

मृतक परिजनों को 1 करोड़

विमान हादसे के बाद टाटा ग्रुप की बड़ी घोषणा

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

अहमदाबाद में एअर इंडिया फ्लाइट 171 की भयावह दुर्घटना के बाद पूरे देश में शोक की लहर है। इस हादसे में 200 से अधिक लोगों की मौत हो गई. इस दुखद घड़ी में टाटा ग्रुप ने एक संवेदनशील और मानवीय पहल करते हुए पीड़ितों के परिवारों की मदद के लिए बड़ी घोषणा की है। टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि टाटा ग्रुप इस त्रासदी में जान गंवाने वाले हर व्यक्ति के परिवार को 1 करोड़ की सहायता राशि देगा। उन्होंने कहा, 'हम एअर इंडिया फ्लाइट 171 से जुड़ी इस दुखद घटना से गहरे दुखी हैं। इस क्षण की पीड़ा को शब्दों में बयां कर पाना असंभव है। हमारी संवेदनाएं उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है और उन लोगों के साथ भी हैं जो घायल हुए हैं।' बयान में यह भी स्पष्ट किया गया कि टाटा ग्रुप सभी घायलों का संपूर्ण चिकित्सीय खर्च वहन करेगा और उन्हें हर आवश्यक देखभाल व समर्थन प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा, हादसे में क्षतिग्रस्त बी. जे. मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर्स हॉस्टल के पुनर्निर्माण में भी टाटा ग्रुप सहायता करेगा। एन. चंद्रशेखरन ने कहा कि टाटा ग्रुप इस असाधारण संकट की घड़ी में पीड़ित परिवारों और समुदायों के साथ पूरी मजबूती से खड़ा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सभी जरूरतमंदों को आवश्यक मदद उपलब्ध कराई जाएगी और पीड़ितों को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा।

टेकऑफ के दौरान हुआ हादसा

बता दें कि अहमदाबाद के मेघाणीनगर इलाके में गुरुवार दोपहर एक बड़ा विमान हादसा हो गया। . प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विमान बेहद नीची उड़ान भर रहा था और सीधे पांच मंजिला इमारतों से टकराया, जिससे उन इमारतों में आग लग गई. हादसे से आसपास की कई इमारतों को गंभीर नुकसान पहुंचा है और दर्जनों लोग घायल हुए हैं, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। इस बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान में क्रू मेंबर समेत कुल 242 लोग सवार थे. हादसे के वक्त दोपहर करीब 2 बजे का समय था और यह स्थल सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास ही स्थित है। कई लोगों के मारे जाने की आशंका जताई जा रही है।

विमान हादसे में मुआवजे को लेकर नियम?

आज के समय में विमान से सफर करना जितना सुविधाजनक है, उतना ही जोखिम भरा भी हो सकता है। किसी एक गलती की वजह से अनहोनी होने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में एयरलाइंस कंपनियों और डीजीसीए की तरफ से कुछ सख्त नियम बनाए गए हैं। ताकि किसी आपात स्थिति में पीड़ितें के परिवारों को आर्थिक लाभ मिल सके। घरेलू और इंटरनेशनल फ्लाइट्स के लिए ये नियम अलग-अलग है।

1.4 करोड़ का मुआवजा

अंतर्राष्ट्रीय उड़ान में मृत्यु या शारीरिक चोट की स्थिति में, भारत में परिचालन करने वाली एयरलाइनें मॉन्ट्रियल कन्वेंशन, 1999 के नियम से बंधी हैं, जो एक अंतर्राष्ट्रीय संधि है जिस पर भारत ने भी हस्ताक्षर किए हैं। इस कन्वेंशन के तहत 128,821 तक विशेष आहरण अधिकार (**SDR**) यानी प्रत्येक यात्री के लिए लगभग 1.4 करोड़ रुपये दिया जाता है। अगर यह साबित हो जाए कि एयरलाइन की गलती से यह एक्सीडेंट हुआ है तो यह मुआवजा और बढ़ सकता है। यह मुआवजा अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों पर लागू होता है, लेकिन नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (**DGCA**) के दिशानिर्देशों के अनुसार, भारतीय विमानन कंपनियां अक्सर घरेलू मार्गों के लिए भी समान कवरेज प्रदान कर सकती हैं। यह मुआवजा एअरलाइंस और इंश्योरेंस कंपनी की ओर से दिया जाता है।

चश्मदीद ने बताया हादसे के बाद का खौफनाक मंजर

अहमदाबाद। अहमदाबाद प्लेन क्रैश के बाद अभी भी बचाव अभियान जारी है। इस बीच हादसे के चश्मदीद ने बताया कि यहां पर जब मैं अपने ऑफिस से बाहर निकाला तो मैंने देखा एक जोर से आवाज आई। विंग की आवाज आई और उसके बाद फिर पूरे में धुआं ही धुआं हो गया, यहां पर भगदड़ मच गई। इसके बाद आकर देखा कि हादसा हो गया है। जब मैं अपने ऑफिस से बाहर निकाला तो मैं यहां आकर देखा कि हर तरफ मालवा बिखरा हुआ है, आग लगी हुई है, पूरा धुएं का गुबार है, कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। समझ में नहीं आ पा रहा था कि क्या है? उसके बाद पता चला कि यह विमान गिरा हुआ है। उसके बाद प्रशासन ने चारों तरफ से आकर राहत और बचाव कार्य करना शुरू किया।

धमाके की तेज आवाज सुनाई दी : विधायक दर्शना

अहमदाबाद विधायक दर्शना वाघेला ने कहा मैं यही अपने ऑफिस में बैठी थी, जैसे ही धमाका हुआ, मैं अपने ऑफिस से वहां गई बहुत बड़ा प्लेन क्रैश हुआ था। बहुत ही धुआं और आग लगी हुई थी। जो डॉक्टर के फ्लैट थे उनको बहुत डैमेज हुआ है। उसमें से कितने डॉक्टर को हम लोगों ने मिलकर निकाला है। बहुत दुखद दुर्घटना है। वाघेला ने बताया कि यह डॉक्टर का रेजिडेंशियल इलाका था, उनके फ्लैट थे। जैसे ही हम लोगों को पता चला कि हादसा हुआ हम लोग तुरंत अपना ऑफिस छोड़कर बचाव के लिए दौड़ पड़े। डॉक्टर्स उन फ्लैट्स में रहते थे। उनको भी नुकसान हुआ है। प्लेन के अंदर जो लोग हैं उनके बारे में मुझे तत्काल जानकारी नहीं पाई थी, लेकिन हादसा बहुत भयानक था।

देश-दुनिया के सांत्वना संदेश

परिजनों के साथ मेरी संवेदनाएं

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा कि अहमदाबाद में हुए दर्दनाक विमान हादसे से मैं बेहद स्तब्ध और व्यथित हूं। मेरी संवेदनाएं यात्रियों और चालक दल के परिजनों के साथ हैं। जो दृश्य सामने आए हैं, वे बेहद पीड़ादायक हैं। पूरा देश शोक में है और प्रार्थना कर रहा है।

दुर्घटना दिल दहला देने वाली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि अहमदाबाद एयर इंडिया दुर्घटना दिल दहला देने वाली है। यात्रियों और चालक दल के परिवारों को जो दर्द और चिंता हो रही होगी, वह अकल्पनीय है। इस अविश्वसनीय रूप से कठिन क्षण में मेरी संवेदनाएं उनमें से प्रत्येक के साथ हैं। प्रशासन द्वारा तत्काल बचाव और राहत प्रयास महत्त्वपूर्ण हैं- हर जीवन मायने रखता है, हर सेकंड मायने रखता है।

कठिन घड़ी में भारत के साथ

हादसे पर रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने जताया शोक पुतिन ने अपने संदेश में कहा कि रूस इस कठिन घड़ी में भारत के साथ खड़ा है और हादसे में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता है।

क्रैश की ख़बर भयावह

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश पर संवेदनाएं जताई हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा, भारत में यात्री विमान के क्रैश की भयावह ख़बर। इस दुखद दिन में मेरी गहरी संवेदनाएं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूरे भारत के साथ हैं।

यह क्षति सीमाओं से परे

पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि अहमदाबाद में हुए दुखद एयर इंडिया विमान हादसे में मारे गए अनमोल लोगों के परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। यह विनाशकारी क्षति सीमाओं से परे है और हमें हमारी साझा मानवता की याद दिलाती है।

हम भारत के साथ खड़े हैं

मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने भी इस दुर्घटना पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने एक्स पर लिखा, है।मैं अहमदाबाद के निकट एयर इंडिया विमान **AI** 171 की दुखद दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त करता हूं। इस कठिन समय में, मालदीव की सरकार और लोग भारत सरकार और लोगों के साथ एकजुटता से खड़े हैं।

आइए जानते हैं बड़े विमान हादसे, जिसने हिला दिया पूरी दुनिया को

कभी रनवे पर हादसा... कभी टेकऑफ के दौरान लगी आग

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अहमदाबाद में गुरुवार को हुई इस एयर इंडिया के विमान हादसे ने हवाई यात्रा की सुरक्षा पर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। पिछले कुछ समय में टेक्नोलॉजी और एविएशन इंजीनियरिंग में हुए कई एडवांसमेंट के बावजूद विमान हादसे होते रहे हैं और अक्सर इसकी वजह कई रोके जा सकने वाली गलतियां होती हैं। आज आपको बताते हैं दुनिया के 10 खतरनाक प्लेन हादसों के बारे में...

तुर्की एयरलाइंस क्रैश (1974) : 1974 में टर्किस एयरलाइंस का विमान 981 पेरिस के बाहर क्रैश हो गया। हादसा इतना खतरनाक था कि विमान में सवार सभी 346 लोगों की मौत हो गई थी। यह बोइंग का 747 एयरक्राफ्ट था। जांच में पता चला कि हादसा कार्गो डोर फेलियर की वजह से हुआ था।

टेनेरिफ एयरपोर्ट हादसा (1977) : इसे विमान हादसों की सबसे घातक दुर्घटनाओं में से एक माना जाता है। स्पेन के टेनेरिफ एयरपोर्ट पर मिसकम्युनिकेशन की वजह से दो बोइंग 747 विमान रनवे पर ही टकरा गए थे। इस हादसे में 583 लोगों की मौत हुई थी।

सऊदिया फ्लाइट 163 (1980) : पाकिस्तान के कराची से उड़कर सऊदिया फ्लाइट 163 जेद्दाह से होकर रियाद जा रही थी। विमान ने जैसे ही जेद्दाह एयरपोर्ट से उड़ान भरी, इसमें आग लग गई। इसके बाद प्लेन ने

इमरजेंसी लैंडिंग कर भी ली थी, लेकिन क्रू मेंबर्स लोगों को बाहर नहीं निकाल पाए और सभी 287 पैसेंजर और 14 क्रू की मौत हो गई थी।

जापान एयरलाइन क्रैश (1985) : 1985 में जापान एयरलाइन का एयरक्राफ्ट 123 क्रैश हो गया था। विमान के रियर प्रेशर बल्कहेड में स्ट्रक्चर फेलियर की वजह से यह दुर्घटना का शिकार हो गया और करीब 520 लोहों की मौत हो गई थी।

भारत में हुए बड़े विमान हादसे

2020 - कोझिकोड़ क्रैश : 7 अगस्त 2020 को एयर इंडिया एक्सप्रेसवे फ्लाइट संख्या 1344 दुबई से कोझिकोड़ आ रही थी और भारी बारिश के चलते विमान लैंडिंग के समय फिसल गया। इस हादसे में विमान दो हिस्सों में टूट गया और कुल 21 लोगों की मौत हो गई।

2010 - मैंगलोर रनवे ओवर रन : यह घटना 22 मई 2010 की है, जब एयर इंडिया एक्सप्रेस फ्लाइट 812विमान दुबई से मैंगलोर आ रहा था और उतरते समय रनवे पर आगे निकल गया। इसके चलते 158 यात्रियों की मौत हो गई थी।

1996 - चरखी दादरी में विमान टकराए : यह दुर्घटना 12 नवंबर 1996 को हुई, जब हरियाणा में चरखी दादरी के पास आसमान में सऊदी अरब के विमान बोइंग 747 की कजाख्तान एयरलाइन इल्यूशिन II-76 से टकरा गया। इस हादसे में 349 लोगों की मौत हो गई थी।

1990 - बैंगलोर विमान हादसा : 14 फरवरी 1990 को इंडियन एयरलाइन्स की विमान संख्या 605 बैंगलोर एयरपोर्ट परलैंड कर रहा था तो यह रनवे से आगे निकल गया और विमान दो हिस्सों में टूट गया। विमान में सवार 146 में से 92 यात्रियों की मौत हो गई।

1978 - अरब सागर में गिरा एयर इंडिया का विमान : 1 जनवरी 1978 को एयर इंडिया का विमान बोइंग 747 मुंबई (तब बंबई) से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दुर्घटनाग्रस्त होकर अरब सागर में गिर गया। यह विमान बंबई से दुबई जा रहा था और विमान में सवार सभी 213 यात्रियों की मौत हो गई थी।

एसएस राजामौली की फिल्म में आर माधवन की एंट्री?

फेमस एक्टर आर माधवन एक हजार करोड़ की फिल्म में एंट्री करने जा रहे हैं! जी हां, वो एसएस राजामौली की SSMB29 में बड़ा रोल निभा सकते हैं। इसमें महेश बाबू और प्रियंका चोपड़ा लीड रोल में हैं। पृथ्वीराज सुकुमारन भी हैं। ये एक जंगल-एक्शन एडवेंचर मूवी होगी।

बाहुबली और RRR जैसी सुपरहिट फिल्मों को देखने के बाद अब फैंस को एसएस राजामौली की अगली फिल्म का इंतजार है। वो महेश बाबू और प्रियंका चोपड़ा के साथ एक जंगल एडवेंचर बना रहे हैं। अब खबर आई है कि इसमें रहना है तेरे दिल में एक्टर आर माधवन की एंट्री हो गई है। एसएस राजामौली की आने वाली फिल्म SSMB29 के फैंस के लिए ये एक बड़ी खबर है। 3 इडियट्स जैसी हिट फिल्मों के लिए फेमस आर माधवन को इस 1,000 करोड़ रुपये की एपिक मूवी में दमदार रोल निभा सकते हैं। हालांकि, मेकर्स ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है। इस फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन भी हैं। ये पहली बार होगा, जब राजामौली और माधवन साथ में काम करेंगे।

फिल्म के बारे में सबकुछ सीक्रेट

बात करें राजामौली की फिल्म की तो इसके बारे में सबकुछ काफी सीक्रेट रखा जा रहा है। इसमें एक्शन-एडवेंचर होगा। राजामौली ने 2024 में केन्या में एक लोकेशन भी देखा था, जहां फिल्म का कुछ हिस्सा फिल्माया जाएगा। इस फिल्म के संगीत की कमान एमएम कीरवानी के हाथों में है।

महेश को जापान लेकर जाएंगे राजामौली

इससे पहले जापान में RRR की स्पेशल स्क्रीनिंग के दौरान राजामौली ने इस प्रोजेक्ट के बारे में एक छोटी लेकिन प्यारी सी जानकारी दी थी। उन्होंने कहा था, उनका नाम महेश बाबू है, वे एक तेलुगु एक्टर हैं (लोग उन्हें खूब पसंद करते हैं)। ऐसा लगता है कि आप में से कई लोग उन्हें पहले से ही जानते हैं। वे बहुत हैंडसम हैं। उम्मीद है कि हम फिल्म को थोड़ा जल्दी खत्म कर लेंगे और रिलीज के दौरान मैं उन्हें यहां लाऊंगा और आपसे उनका परिचय करवाऊंगा। मुझे यकीन है कि आप भी उन्हें पसंद करेंगे।

कुटिंग्स यूनिवर्स में दर्शकों को पसंद आएगी मेरी कहानी

अभिनेत्री सना सुल्तान को एएलटीटी की नई वर्टिकल सीरीज कुटिंग्स के लिए चुना गया है। सना कुटिंग्स यूनिवर्स के एक एपिसोड 'आशिक अरबपति में नजर आएंगी। सीरीज के बारे में अपने विचार को व्यक्त करते हुए उन्होंने बताया कि यह महिला के व्यक्तित्व के अलग-अलग पहलुओं पर आधारित है। दर्शकों को यह कहानी जरूर पसंद आएगी। सीरीज के बारे में सना ने बताया, कुटिंग्स एक वर्टिकल ड्रामा सीरीज है। यह एक खूबसूरत फॉर्मेट है, जिसमें रोमांच, रहस्य, भावनाएं, प्यार, नफरत सब कुछ छोटे-छोटे एपिसोड में समाहित हैं।

फॉर्मेट के बारे में अपनी पसंद को जाहिर करते हुए उन्होंने बताया, मुझे जो सबसे ज्यादा पसंद है, वह यह है कि इतने कम समय में बहुत कुछ अनुभव करने या सीखने को मिला। यह एक बहुत ही रोमांचक कॉन्सेप्ट है और मुझे विश्वास है कि लोग इसे पसंद करेंगे और इससे जुड़ाव महसूस करेंगे। सना ने आगे बताया, मेरी कहानी में आप सब कुछ देख सकेंगे। यह एक ऐसी लड़की की कहानी है, जिसके दो पक्ष हैं। वह एक तरफ तो नरम है, वहीं दूसरी ओर सख्त भी है। मैं यह कह सकती हूं कि मेरी कहानी बहुत ही शानदार और दर्शकों को पसंद आने वाली है और एक महिला के व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं को छूती है।

सना ने खुलासा किया कि जब उन्हें यह ऑफर हुआ तो उन्होंने बिना देरी किए झट से हां कह दिया था। उन्होंने बताया, खुद एक कंटेंट क्रिएटर होने के नाते मैं रील और शॉर्ट-फॉर्म वीडियो के क्रेज को समझती हूं। इसलिए, मुझे इसकी खूबियों के बारे में अच्छी तरह से पता था। सना ने कहा, लोग इसे देखेंगे तो पसंद करेंगे। क्योंकि, इसकी क्वालिटी और स्टोरी दोनों बेजोड़ हैं। यह घर पर शूट किया गया एक रील नहीं, यह एक अच्छी तरह से निर्मित शो है, जो एक छोटे, वर्टिकल फॉर्मेट में एक फिल्म देखने जैसा अनुभव देगा।

फिल्म भूल चूक माफ रिलीज के विवाद का वामिका पर नहीं पड़ा फर्क

23 मई को सिनेमाघरों में राजकुमार राव और वामिका गब्बी की फिल्म भूल चूक माफ रिलीज हुई। रिलीज के वक्त फिल्म विवादों में आ गई। फिल्म के निर्माताओं ने फिल्म को इसे सिनेमाघरों में रिलीज करने से पहले डिजिटल रिलीज करने का फैसला किया था। हालांकि, मल्टीप्लेक्स चेन पीवीआरआईनोक्स ने निर्माताओं के फैसले को चुनौती देते हुए अदालत का रुख किया था। इसके बाद फिल्म 23 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई।

बातचीत में वामिका ने इस बारे में बात की कि क्या उन्हें इस पूरे मामले से कोई फर्क पड़ा? इस पर वामिका गब्बी ने कहा इससे मुझ पर कोई असर नहीं पड़ा। मैंने जिंदगी में इतना कुछ देखा है कि इससे प्रभावित नहीं हुई! यह मेरे लिए बहुत बड़ा पल था। मैं टूट सकती थी। मैं कई तरह की भावनाओं से गुजर सकती थी। लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया, क्योंकि मैंने बहुत कुछ देखा है। यह मेरे हाथ में नहीं था।

कई बार चीजें मेरे हाथ में नहीं होतीं

वामिका गब्बी ने आगे बताया कि मुझे कई बार अस्वीकार किया गया। मैंने देखा है कि वादे किए गए और फिर उन्हें पूरा नहीं किया गया। मैंने अपना पूरा भरोसा उन प्रोजेक्ट्स में लगाया, जिनके बारे में मुझे लगा कि यह मेरे करियर या मेरी जिंदगी को बदल देंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मुझे समझ में आया कि यह मेरे हाथ में नहीं है। इन सबके बावजूद, मेरी तरक्की हो रही थी।

मेरे लिए अपनी बेटी को बड़े होते देखना सबसे खूबसूरत सिनेमा है

एक्टर अली फजल अपनी आने वाली फिल्म मेट्रो... इन दिनों की रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं। इंटरव्यू में उन्होंने अपने सबसे खास सिनेमाई पलों को लेकर खुलासा किया और कहा कि उनके लिए सबसे खूबसूरत सिनेमा अपनी बेटी को बड़े होते हुए देखना है। इंटरव्यू के दौरानजब अली से सवाल पूछा, जिज्ञासा और अवलोकन, क्या आप इन्हें किसी कलाकार की असली पूंजी मानते हैं? इस सवाल का जवाब देते हुए अली फजल ने कहा, हां, मैं ऐसा मानता हूं। मैं हाल ही में पिता बना हूं और मुझे लगता है कि मेरी जिंदगी का सबसे खूबसूरत सिनेमा अपनी 10 महीने की बेटी को बड़ा होते देखना है। इसमें वही दो बातें हैं, जो कलाकार के लिए जरूरी होती हैं, जिज्ञासा और अवलोकन। एक छोटे बच्चे में जो मासूमियत और अनजानापन होता है, वही उसे खास बनाता है।

रणबीर और रणवीर के बीच में है ईगो क्लैश? करण जौहर ने बताई पूरी सच्चाई

रणबीर कपूर और रणवीर सिंह बॉलीवुड के दो नए सुपरस्टार हैं। दोनों ने अपने अभिनय से इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। फैंस दोनों की ही फिल्मों का बड़ी बेसब्री से इंतजार करते रहते हैं। हालांकि, दोनों को लेकर तरह-तरह की खबरें भी सामने आती रहती हैं। बीच में इन दोनों स्टार्स के बीच में ईगो क्लैश की खबरें भी सामने आई थीं। अब निर्माता-निर्देशक करण जौहर ने इन खबरों और दोनों के बीच ईगो की लड़ाई को लेकर असलियत बताई है।

दोनों के बीच में कोई ईगो नहीं

बॉलीवुड हंगामा के साथ अपनी हालिया बातचीत में करण जौहर ने रणबीर कपूर और रणवीर सिंह के बीत ईगो क्लैश को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने इस बारे सच्चाई बताते हुए कहा, 'हर कोई एक-दूसरे को बहुत समझता है। दोनों के बीच में कोई अहंकार नहीं है। यह सब उस नजर या लेंस से देखने का बहुत पुराना तरीका है। मैं नहीं देखता और मुझे यकीन है कि वे भी नहीं देखते हैं। मुझे नहीं लगता दोनों के बीच में किसी तरह का कोई ईगो है।'

दोनों एक-दूसरे के काम पर फीडबैक देते हैं

करण जौहर ने दोनों एक्टर्स के बीच एक-दूसरे को कॉम्प्लीमेंट देने और सलाह देने के समय को भी याद किया। निर्माता ने बताया कि कैसे दोनों ने एक-दूसरे की फिल्म के बाद उन्हें फीडबैक दिया। करण ने कहा, मुझे याद है कि 'ऐ दिल है मुश्किल' देखने के बाद रणवीर सिंह मेरे घर आए और मुझे फिल्म को लेकर अपना व्यू बताया जो कि वाकई में काफी कमाल था। फिर रणबीर ने मुझे 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' पर फीडबैक दिया। मुझे लगता है कि हम सभी किसी भी चीज से बढ़कर दोस्त हैं।

'रामायण' और 'लव एंड वॉर' में नजर आएंगे रणबीर

वर्कफ्रंट की बात करें तो रणबीर कपूर इन दिनों अपनी एपिक सागा फिल्म 'रामायण' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म में रणबीर भगवान राम की भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा रणबीर कपूर आलिया भट्ट और विक्की कौशल के साथ लव एंड वॉर में भी नज़र आएंगे। इसका निर्देशन संजय लीला भंसाली कर रहे हैं।

'धुरंधर' में नजर आएंगे रणवीर सिंह

इसके अलावा अगर रणवीर सिंह के वर्कफ्रंट की बात करें तो रणवीर इन दिनों अपनी अगली फिल्म 'धुरंधर' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इसके अलावा वह एक्शन थ्रिलर 'डॉन 3' में भी नजर आएंगे। फिल्म की घोषणा 2023 में की गई थी, लेकिन अभी तक फ्लोर पर नहीं आई है।

अच्छे और सच्चे एक्टर्स ये नहीं सोचते कि मैं उसको खा जाऊं या उसकी लाइन कटवा दूं

वेब सीरीज ट्रिपलिंग के बिदांस चितवन के रूप में दर्शकों का दिल चुराने वाले एक्टर अमोल पराशर डॉली किट्टी और वो चमकते सितारे और सरदार उधम जैसी फिल्मों में गंभीर किरदारों में भी अपनी अदायगी का चटख रंग दिखा चुके हैं। हाल ही में वह दो वेब सीरीज कुल और ग्राम चिकित्सालय को लेकर चर्चा में रहे।

आप आईआईटी रैंक होल्डर थे, अच्छी खासी पैकेज वाली नौकरी थी, वो सब छोड़कर आपने एक्टिंग को चुना। यह रिस्क कैसे लिया? और घरवालों का रिएक्शन क्या था?

ऐसा कोई हीरोइक पल नहीं था कि एक्टिंग के लिए पैशन जागा और सब छोड़-छाड़ के चल दिए। मुझे थिएटर करना था और नौकरी के साथ वह नहीं हो पा रहा था, तो मैंने सोचा कि जो करने का मन है, उसे करके देखते हैं। बेशक, थोड़ी गरीबी होगी, पैसे नहीं होंगे, पर मैनेज कर लेंगे। ऐसा कुछ नहीं था कि मैं तो हीरो बनकर दिखाऊंगा। फिल्मों और टीवी का तो सोचा भी नहीं था। मेरी सोच बस ये थी कि स्टेज पर जाने का मौका मिलता रहे, नए-नए किरदार करने को मिलते रहें। शुरू के 2-3 साल मैंने वही किया।

ट्रिपलिंग में आपका किरदार चितवन बहुत पसंद किया गया, मगर आपने खुद को टाइपकास्ट नहीं होने दिया। डॉली किट्टी और वो सितारे, सरदार उधम जैसी फिल्मों से उस इमेज को ब्रेक कर दिया। यह कितना मुश्किल या आसान रहा?

आपने सही कहा, हमारी इंडस्ट्री में एक्टर्स आसानी से टाइपकास्ट हो जाते हैं। मेरे साथ एक फायदा ये रहा कि मैं थिएटर करता था। ऑडिशन देता था, तो फिल्में बनाने वाले, लिखने वाले जो लोग हैं, उन्हें पता था कि अमोल सिर्फ ये किरदार नहीं है। वह और बहुत कुछ कर सकता है। उन्होंने मेरे कोई नाटक, ऑडिशन देखे थे। हालांकि, उसके बावजूद 10 में से 5 चीजें ऐसी थीं जो एक जैसी थीं। पांच चीजें अलग भी थीं। उसमें चुनना भी एक चुनौती होती है, क्योंकि कई बार आपको भी लगता है कि लोगों को यही पसंद आ रहा है तो यही करता हूं, लेकिन मेरी सोच ये थी कि खुद को मजा आना चाहिए। बाकी, लोग पसंद करेंगे या नहीं करेंगे, वह देखा जाएगा।

आपने रॉकेट सिंह सेल्समैन में रणबीर कपूर, डॉली किट्टी में कोंकणा सेन शर्मा, ट्रैफिक में मनोज बाजपेयी, सरदार उधम में विक्की कौशल जैसे मंझे हुए एक्टर्स के साथ काम किया है। उनसे बतौर एक्टर कोई गुण अपनाया?

सच कहूं, मेरा मानना है कि एक्टिंग को कोई शब्दों में नहीं समझा सकता। यह ऑब्जर्व करने की चीज है, पर एक बात मैंने इन सबमें देखी कि अच्छे एक्टर सिर्फ अपने लिए काम नहीं करते। वो ऐसे नहीं सोचते कि मैं अच्छा लगूं, बाकियों का मुझे नहीं पता या मैं उसको खा जाऊं या उसकी लाइन कटवा दूं। ये चीज किसी में नहीं है। यह मैंने अपने अन्दर भी लाने की कोशिश की कि हम यहां अच्छा शो बनाने आए हैं। फिल्म अच्छी होगी, तो उसकी चर्चा होगी, वो हिट होगी, तो सबको फायदा होगा, पर अगर आप ईगो में रहो कि मैं ही मैं रहूं, तो चीजें थोड़ी करप्ट हो जाती हैं। उसमें मजा नहीं होता है। जैसे, जब मैं विक्की, कोंकणा सेन शर्मा या मनोज सर के साथ काम कर रहा था, वहां पर कोई बड़ा छोटा नहीं था कि तू मत बोल। तू उधर पीछे खड़ा रह। यह कॉमन चीज सबमें रही, तो जो अच्छे एक्टर होते हैं, वो सीन को ऊपर रखते हैं। वो खुद को या अपनी इमेज को सर्व नहीं करते कि यार, मेरी तो बॉडी की तारीफ होती है तो शर्ट उतार दूं। ये चीजें कहानी को खराब कर देती हैं।

इन दिनों कई एक्टर्स ने बॉलीवुड में टॉक्सिसिटी को लेकर काफी खुलासे किए हैं। आपका इस बारे में क्या अनुभव रहा? आप खुद आउटसाइडर रहे हैं। ऐसी चीजें झेलनी पड़ी हैं?

मैं इन चीजों से दूर रहता हूं। सबके अपने-अपने अनुभव हैं। मेरी सोच यह रहती है कि अगर आप अच्छे हैं तो आपको अच्छे लोग मिल जाते हैं। हो सकता है कि मुझे भी कभी किसी के कनेक्शन की वजह से रोल नहीं मिला हो, पर मैं ये नहीं सोचता कि अरे, यह तो साजिश हो गई और मैं घर बैठकर रोने लगूं। मेरा मानना है कि कोई आपका बुरा नहीं चाहता, सब अपना-अपना देख रहे हैं। मैं कई ऐसे लोगों से मिलता हूं, जो दूर से लगता है कि वो बहुत अच्छा कर रहे हैं। सब चीजें वही कंट्रोल कर रहे हैं, मगर पास से मिलो तो पता चलता है कि उसका अलग संघर्ष चल रहा है। मैं ये मानकर चलता हूं कि पर्सनली कोई मेरा बुरा नहीं चाहता है।

हाल ही में एक हफ्ते के भीतर आपकी दो वेब सीरीज कुल और ग्राम चिकित्सालय आई हैं। दोनों में आपके किरदार भी बिल्कुल अलग हैं। इन दोनों किरदारों को निभाने का अनुभव कैसा रहा?

अनुभव बहुत अच्छा रहा। दोनों की शूटिंग मैंने अलग-अलग की थी, वह इत्तेफाक की बात है कि दोनों सीरीज एक हफ्ते के भीतर आ गई। हालांकि, अच्छी बात ये है कि इस वजह से लोगों को मेरे किरदारों का अंतर ज्यादा महसूस रहा रहा है। लोग बोल रहे हैं कि दोनों के रंग बहुत ही अलग है। इन दोनों किरदारों में ढलने का प्रॉसेस अलग रहा। कुल के अभिमन्यु की सोच और मनोदशा समझने के लिए रिसर्च करना पड़ा कि वो ऐसे टेढ़ा क्यों है? क्योंकि वह मेरी पर्सनैलिटी से काफी दूर है, तो उसे समझने में वक्त लगा। जबकि, सीरीज ग्राम चिकित्सालय में प्रभात के किरदार के लिए सिर्फ सुर पकड़ना था। उसे रियल रखना था।

स्वामी मोर्निंग सिटी मल्टीमीडिया प्रा.लि. मुद्रक, प्रकाशक एवं प्रधान संपादक- सुशील कुमार सिंह (मोबाइल न. 8077588101), पुरराज प्रिंट एंड पैकिंग प्रा. लि., ई - 19 सेक्टर 6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से छपवाकर शॉप न. - 307, 308 एल्फा - 1 नीलकंठ प्लाजा, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित। (RNI No. UPHIN/2015/60949) (समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र गौतमबुद्धनगर होगा) प्रकाशिक सामग्री या विज्ञापन में संपादक / प्रकाशक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इससे संबंधित किसी भी प्रकार की कार्यवाही या पूछताछ प्रकाशन तिथि से तीन माह के अंदर की सकती है। ई-मेल-morningcityinput@gmail.com।